● वर्ष-2
● अंक-246
रायपुर, मंगलवार
06 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अंतराष्ट्रीय व्यापार में बढ़े रुपए का प्रयोग

भारत ने पहली बार रुपये में आयात के लिए रूस को भुगतान किया

नईदिल्ली। जुलाई, 2022 में, भारतीय रिज़र्व बैंक ने एक परिपत्र के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं के आयात और निर्यात के भारतीय रुपये में निपटान की अनुमति दी थी। यह यूक्रेन और रूस युद्ध के चलते रूस को भुगतान के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों की पृष्ठभूमि में एक रणनीतिक निर्णय था। एक अन्य कारण भारतीय निर्यात को बढ़ावा देकर भारतीय रुपये को मज़बूत करने का समर्थन करना था। दिसंबर, 2022 में, भारत ने पहली बार भारतीय रुपये में कच्चे तेल के आयात के लिए रूस को भुगतान किया। इससे भारतीय रुपए पर बाजार से लगातार बढ़ती दर पर डॉलर खरीदने का कुछ दबाव कम हुआ है।

इस निर्णय के परिणामस्वरूप दुनिया के कई देश जो भारत से आयात करने में रुचि रखते थे और डॉलर की कमी के कारण ऐसा करने में सक्षम नहीं थे, अब वे अपने आयात के लिए भारतीय रुपए में भुगतान कर सकते हैं। भारतीय रुपये में व्यापार के निपटान की सुविधा के लिए, अब तक, भारतीय बैंकों ने यूके, न्यूजीलैंड, जर्मनी, मलेशिया, इज़राइल, रूस और संयुक्त अरब अमीरात सहित 19 देशों के साथ विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं।

रूस की तरह, इन 19 देशों में से कुछ अन्य देश भारत को बड़े पैमाने पर निर्यात करते हैं और उन्हें उनके निर्यात के लिए भारतीय रुपये में भुगतान किया जाएगा। माना जा रहा है कि ऐसे देश भारत से अधिक से अधिक उत्पादों के आयात के लिए अपने भारतीय रुपये के भंडार का उपयोग करने की संभावना रखते हैं। भारत में उपलब्ध वस्तुओं या सेवाओं की गुणवत्ता और मात्रा के अधीन भारत से निर्यात को पर्याप्त बढ़ावा मिल सकता है। रुपए में भुगतान से बढ़ते वैश्विक आर्थिक जोखिमों के बीच कीमती विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने में मदद मिल सकती है।

रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निपटान की अनुमति देने के लिए विदेश व्यापार नीति में भी अनुरूप परिवर्तन किए गए हैं, भारतीय रुपये में चालान, भुगतान और निर्यात / आयात का निपटान भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र दिनांक 11.07.2022 के अनुरूप है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार भारतीय रुपये में निर्यात लाभ के लिए निर्यात लाभ और निर्यात दायित्व की पूर्ति के लिए विदेश व्यापार नीति में और बदलाव किए गए हैं। ये परिवर्तन यह सुनिश्चित करेंगे कि निर्यातक निर्यात प्रोत्साहन के हकदार बने रहें, भले ही उनके निर्यात का भुगतान भारतीय रुपये में वसूल किया गया हो।

31 मार्च, 2023 को घोषित विदेश व्यापार नीति के अनुसार वर्ष 2030 तक 2000 अरब डॉलर के माल और सेवाओं के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। माना जा रहा है कि यह लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। दरअसल, कुछ लोगों को यह भी लगता है कि देश इससे कहीं ज्यादा हासिल कर सकता है। 2014 में, जब हमारा सकल घरेलू उत्पाद 2000 अरब अमेरिकी डॉलर था, तो हमारी वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात सिर्फ़ 452.3 अरब डॉलर था। अब, जब हमारी जीडीपी 3.4 ट्रिलियन तक पहुंच गई है, तो हमारा निर्यात 767 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। रुपये के व्यापार की नई पहल के साथ, जब हमारी जीडीपी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी, 2000 अरब डॉलर का निर्यात मुश्किल नहीं रहेगा।

आज भी भारत में महंगाई की दर बाकी दुनिया के मुकाबले कम है। इसके अलावा, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ग्रोथ बढ़ने का असर जीएसटी की प्राप्तियों पर भी दिख रहा है। हालांकि, आयात शुल्क जीएसटी प्राप्तियों का एक बड़ा हिस्सा है, मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात पर मूल्यवर्धन भी जीएसटी में वृद्धि का कारण बन रहा है। मुद्रास्फीति के नियंत्रण में होने से रुपये में व्यापार निपटान को और बढ़ावा मिलेगा।हालांकि, भारत का निर्यात प्रदर्शन उत्कृष्ट नहीं रहा है, फिर भी कृषि उत्पादों, रक्षा वस्तुओं और कई अन्य वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि प्रभावी रही है। फिर भी, सेवाओं के निर्यात में वृद्धि अधिक महत्वपूर्ण रही है। 2000 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात और सामान और सेवाओं के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुछ असाधारण करने की जरूरत है।

स्वदेशी जागरण मंच का सरकार से आग्रह

- अधिक देशों को व्यापार मुद्रा के रूप में रुपये का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर करके ऐसा कर सकता है।
- व्यापार के लिए रुपये का उपयोग करना आसान बनाए जाने का प्रयास किए जा सकते हैं।इसमें रुपये के बाजार में अधिक तरलता प्रदान करना और व्यवसायों के लिए रुपया खाते खोलना आसान बनाना शामिल हो सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा देना। इसमें विदेशी निवेशकों को भारतीय रुपए-मूल्यवर्गित संपत्तियों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल हो सकता है।

भारत रुपये में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को और व्यवस्थित करने के लिए निम्नलिखित कदम भी उठा सकता है

- एक मजबूत रुपए ज्ज्.बांड बाजार का विकास करना। यह व्यवसायों को निवेश विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा और उनके लिए रुपये में पूंजी जुटाना आसान बना देगा।
- पड़ोसी देशों के साथ व्यापार में रुपये के प्रयोग को बढ़ावा देना। इससे भारत को इन देशों के साथ व्यापार के लिए विदेशी मुद्राओं के उपयोग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिलेगी।
- अन्य देशों के साथ रुपये-मूल्य वाले व्यापार के लिए एक सामान्य ढांचा विकसित करने के लिए काम किया जाये। इससे व्यवसायों के लिए उन देशों के साथ रुपये में व्यापार करना आसान हो जाएगा, जिनका भारत के साथ द्विपक्षीय समझौता नहीं है।
- पूंजी खाता परिवर्तनीयता पर प्रतिबंध की नीति में इस स्तर पर कोई बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह अतीत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट में एक रक्षक साबित हुआ है।

इन दिनों ✍ अनिल प्रकाश जोशी

उत्सवों के बीच प्लास्टिक में डूब रहा है समुद

हर साल पर्यावरण के अवसर पर दुनियाभर में उत्सव तो खूब मनाते हैं लेकिन पर्यावरण की स्थिति हर साल बिगड़ती जा रही है। पृथ्वी का दो तिहाई हिस्सा समुद्र भी हमारा साथ छोड़ने को तैयार है, क्योंकि हमने समुद्रों को प्लास्टिक से पाट दिया है। यदि सैकड़ों खरब प्लास्टिक के टुकड़े समुद्र की सतह पर तैर रहे हों, तो जाहिर-सी बात है कि समुद्र पानी का नहीं, बल्कि प्लास्टिक का ही कहलाएगा। दुनिया में आज करीब 40 प्रतिशत समुद्र किसी न किसी तरह से प्लास्टिक की चपेट में आ चुका है और माना जा रहा है कि अगर यही गति रही, तो 2050 तक मछलियों से ज्यादा समुद्र में प्लास्टिक रहेगा। प्लास्टिक प्रदूषण ने समुद्र में जो कुछ भी किया है, उसका दंड तो हमें कल भोगना ही पड़ेगा। हमारी इस तरह की गतिविधियों से समुद्र भी 0.6 डिग्री ज्यादा गर्म हो चुका है, जिससे 20 प्रतिशत समुद्री जीवन संकट में है। समुद्र के 30 प्रतिशत हिस्से में अम्ल (एसिड) की मात्रा ज्यादा हो चुकी है। यदि यही हाल रहा, तो समुद्र का तापमान एक डिग्री सेंटीग्रेड से ज्यादा हो जाएगा। ऐसे में हम एक बड़े प्राकृतिक कहर की चपेट में आ जाएंगे। दुनिया में वेट बल्ब टेंपरेचर से उमस बढ़ती है। 32 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान को सामान्य वेट बल्ब टेंपरेचर माना जाता है। लेकिन समुद्री प्रदूषण बढ़ने से उसमें भारी बढ़ोतरी हो सकती है। करीब 35 डिग्री सेंटीग्रेड वेट बल्ब टेंपरेचर सबके लिए कष्टकारी होगा, जिससे जीवन समाप्त हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि 269 हजार टन प्लास्टिक समुद्र में तैर रहा है और करीब चार अरब माइक्रो फाइबर प्रति वर्ग किलोमीटर समुद्र में अपनी जगह बना चुका है। दुनिया का करीब 70 फीसदी प्लास्टिक कचरा समुद्र में ही जाता है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो दुनिया के लिए सबसे बड़ा संकट पैदा हो जाएगा। वैसे भी पर्यावरणीय शोध हमारे पक्ष में नहीं है। इसका पहला और सबसे बड़ा खतरा तो आज उस जीवन पर है, जो समुद्र में पनपता है। हजारों तरह के समुद्री पक्षी आज खतरे में आ चुके हैं और प्लास्टिक के कारण समुद्री कछुए, सील्स और स्तनपायी जीव विलुप्ति के कगार पर चले गए हैं। असल में ये सब लगातार समुद्र में फैले प्लास्टिक कचरा खाकर मृत्यु से जूझ रहे हैं। इनमें ऐसी भी कई प्रजातियां हैं, जो पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुकी थीं, जिसमें हवाईयन मौंक, पेसिफिक लॉगरहेड जैसे कछुए आते हैं। करीब 700 ऐसी प्रजातियां हैं, जिनका अस्तित्व प्लास्टिक कचरा खाने के कारण खतरे में पड़ चुका है। इन प्रजातियों का भी समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान है। चाहे सिंगल यूज प्लास्टिक हो या किसी अन्य प्रकार का, समुद्र के पानी में मिलकर वह माइक्रो प्लास्टिक फाइबर में बदल जाता है और समुद्री जीव उसे अपना भोजन समझकर खा लेते हैं। प्लास्टिक का सीधा असर समुद्र और समुद्री जीवों पर पड़ा है। इसके बावजूद जीवाश्म ईंधन उद्योग, जो प्लास्टिक उत्पाद में बड़ी भूमिका निभाता है, अगले दशक में 40 प्रतिशत ज्यादा उत्पादन करने का मन बनाए हुए है। ऐसा होने पर न केवल समुद्री प्रदूषण बढ़ेगा, बल्कि प्लास्टिक के कारण जहरीला वायु प्रदूषण भी बढ़ेगा और समुद्र से जुड़े लोगों के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। प्लास्टिक प्रदूषण की इस महामारी को रोकना आज सबसे बड़ी जरूरत है। पृथ्वी से लेकर समुद्र तक आज प्लास्टिक प्रदूषण कहर बरपा रहा है।

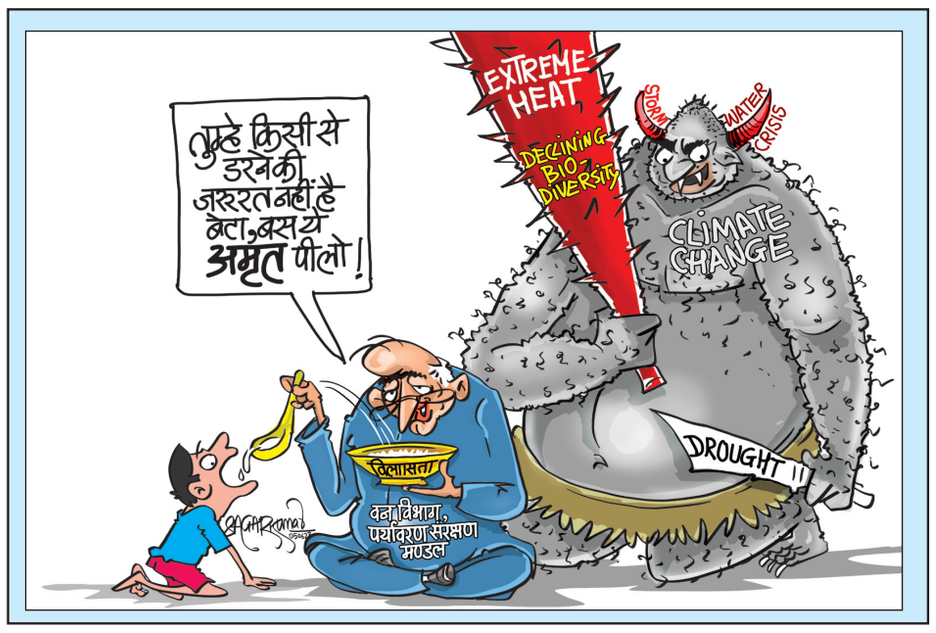

22 को शाह तो 30 जून को नड्डा करेंगे राज्य का दौरा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 9 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सरकार के कामकाज को लोगों तक पहुंचाने में जुटी हुई है। इसके साथ ही चुनावी राज्यों को साधने की भी कोशिश की जा रही है। छत्तीसगढ़ में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। फिलहाल राज्य में कांग्रेस की सरकार है। यही कारण है कि भाजपा छत्तीसगढ़ में अपनी पूरी ताकत लगाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक इस महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। इसको लेकर छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रमुख अरुण साव ने जानकारी दी।

अरुण साव ने क्या कहा

छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रमुख अरुण साव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 जून को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक सभा को संबोधित करेंगे, जबकि 30 जून को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जनसंपर्क महा अभियान के तहत बिलासपुर जिले का दौरा करेंगे। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर 30 मई से 30 जून तक देश भर में अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत देश भर में 51 सभाएं होंगी। आपको बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को छत्तीसगढ़ में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा था। छत्तीसगढ़ में भाजपा का रिकॉर्ड समय तक शासन में रही थी।

छत्तीसगढ़ में भाजपा झोंकने वाली है अपनी पूरी ताकत

शराब घोटाला बड़ा मद्दा

छत्तीसगढ़ में भाजपा शराब घोटाले को बड़ा मुद्दा बना रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व तय करे कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पद पर बने रहने का अधिकार है या नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के उस दावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे जिसमें कहा गया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान 4,400 करोड़ रुपये का शराब घोटाला हुआ था। कांग्रेस के आरोपों को लेकर सिंह ने पलटवार करते हुए कहा, ''इससे बड़ा मजाक नहीं हो सकता। वह (बघेल) चार साल से मुख्यमंत्री के पद पर बैठे हैं। बार-बार एसआईटी का गठन किया जा चुका है। एक रूपए का भी भ्रष्टाचार प्रमाणित होता तो क्या कार्रवाई नहीं होती। अपनी चोरी को छुपाने के लिए वह सबको भ्रष्ट बताने की कोशिश कर रहे हैं।''

प्रमुख समाचार

यकीन नहीं होगा आपको, आगरा का किला किसने बनवाया था? एएसआई को नहीं पता

नईदिल्ली। आगरा का किला एक विश्व विरासत स्थल है जो दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस किले पर राजपूतों, मुगलों, जाटों और मराठों सहित कई राजवंशों का कब्जा रहा है। फिर भी, यह अभी भी बहस में है कि इसे मूल रूप से किसने बनाया था। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन आने वाले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई के पास भारत के इतिहास के बारे में प्रामाणिक जानकारी है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि अकबर के शासनकाल के दौरान सबसे पहले आगरा के किले का निर्माण किसने किया और इसमें क्या संशोधन हुए, इसकी कोई जानकारी नहीं है। एक आरटीआई आवेदन के जवाब में, विभाग के लोक सूचना अधिकारी ने कहा कि आगरा के किले का निर्माण किसने किया, इसकी जानकारी उनके कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। आगरा के कालीबाड़ी निवासी डॉक्टर देवाशीष भट्टाचार्य ने 27 मई को सूचना के अधिकार के तहत आगरा किले की जानकारी एएसआई से मांगी थी।

कांग्रेस सरकार हमारे कार्यकर्ता को धमका रही : तेजस्वी

नईदिल्ली। भाजपा ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा कार्यकर्ताओं को सभी कानूनी अत्याचारों से बचाने के लिए पार्टी के कर्नाटक कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर शुरू करेगी। बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को देश भर के 50 वकीलों के साथ बैठक की। भाजपा सांसद ने कहा कि हम कांग्रेस नेताओं के झूठे आरोपों और हमारी पार्टी के सदस्यों के खिलाफ दर्ज मामलों पर मुकदमा दर्ज करने जा रहे हैं। हम सिद्धारमैया सरकार से अपने खिलाफ नफरत की राजनीति देख रहे हैं। झूठे मामले और एफआईआर दर्ज की जा रही हैं, हमारी पार्टी और उसके सदस्यों की छवि खराब करने के लिए फर्जी समाचार लेख और समाचार भी अखबारों और सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके बदले में हमने आज अपने वकीलों के साथ बैठक की।

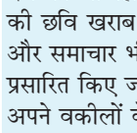

ममता ने देंगी ट्रेन दुर्घटना में मृतकों के परिजन को नौकरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार उन लोगों को भी नकद सहायता देगी, जो कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार थे और फिलहाल मानसिक व शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं। बनर्जी अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे घायल यात्रियों से मिलने के लिए मंगलवार को भुवनेश्वर और कटक जाएंगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में पश्चिम बंगाल के 206 घायल यात्रियों को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, कटक के अस्पतालों में भर्ती 33 यात्रियों की हालत गंभीर है। बनर्जी ने कहा कि बंगाल के कुछ मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ जाएंगे। वह बुधवार को पीड़ितों के परिजनों को अनुग्रह राशि के चेक और नियुक्ति पत्र वितरित करेंगी। उन्होंने कहा कि वह दुर्घटना पर किसी भी तरह की राजनीति में नहीं पड़ना चाहतीं।

निक्की हेली ने भारत को बताया सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक

नईदिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत को सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक कहने के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद छिड़ गया है। ट्विटर पर हेली ने कहा कि अगर हम पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीर होना चाहते हैं, तो हमें भारत और चीन से भिड़ने की जरूरत है। एआई बुक के योगदानकर्ता शैलेंद्र मलिक ने हेली की आलोचना करते हुए कहा कि मुझे विश्वास होने लगा है कि विभिन्न अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के रूप में भारतीय एक अच्छी बात है लेकिन राजनेताओं के रूप में, वे व्यक्तित्वों में सबसे बेकार हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विश्वदृष्टि और आवश्यकता, हर किसी को यह साबित करने के लिए कि वे अमेरिकियों की तुलना में अधिक अमेरिकी या ब्रिटिशों की तुलना में अधिक ब्रिटिश हो सकते हैं, हमेशा तथ्यों को देखे बिना भारत के बारे में बकवास करने के लिए मजबूर रहते हैं।

सिंगापुर में 49 देशों के जासूसों की मंडली रही मौजूद

नईदिल्ली। दुनिया की प्रमुख खुफिया एजेंसियों के लगभग दो दर्जन वरिष्ठ अधिकारियों ने इस सप्ताह के अंत में सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग सुरक्षा बैठक के दौरान एक गुप्त बैठक की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बैठकें सिंगापुर सरकार द्वारा आयोजित की जाती हैं और कई वर्षों से की जाती रही हैं। बैठकों की सूचना पहले नहीं दी गई थी। अमेरिका का प्रतिनिधित्व उसके देश के खुफिया समुदाय के प्रमुख, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक एवरिल हैन्स द्वारा किया गया था, जबकि चीन दो महाशक्तियों के बीच तनाव के बावजूद मौजूद अन्य देशों में से था। एक भारतीय सूत्र ने कहा कि भारत की विदेशी खुफिया जानकारी एकत्र करने वाली एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के प्रमुख सामंत गोयल ने भी भाग लिया। चर्चाओं की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि बैठक अंतरराष्ट्रीय छाया एजेंडे पर एक महत्वपूर्ण स्थिरता है। इसमें शामिल देशों की श्रेणी को देखते हुए, यह ट्रेडक्राफ्ट नहीं है, बल्कि इरादों और निचली रेखाओं की गहरी समझ को बढ़ावा देने का एक तरीका है।

जो काम आजादी के तुरंत बाद होने चाहिए थे, वह अमृत काल में हो रहे हैं

तरुण विजय

नवीन भारत अभ्युदय का पथ सदैव कंटकाकीर्ण रहा है। आज जब ब्रिटिश दास मानसिकता से संघर्ष रत राष्ट्र औपनिवेशिक मानस की जकड़न से मुक्त हो भारतीयों द्वारा भारत के लिए स्वतंत्र देश में बनी नवीन संसद का भव्य उद्घाटन देख रहा है तो यह क्षण 15 अगस्त 1947 के पुण्यदायी क्षण से काम महत्वपूर्ण नहीं है। यह नवीन संसद तमिल सम्राट राज राज चोल के समय प्रयुक्त शिव के नंदी को शिखरस्थ विराजमान किये राज दंड से आलोकित, प्रेरित और स्पंदित है जो स्वतंत्रता के समय चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के परामर्श और सहायता से वायसरॉय माउंट बैटन ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक स्वरूप पंडित नेहरू को प्रदान किया था।

यह एक शुद्ध निर्मल भारतीय वैदिक परंपरा का प्रतीक था, इसलिए कांग्रेस और पंडित नेहरू को भाया नहीं और इसको प्रयाग स्थित सरकारी संग्रहालय में बंद कर दिया गया। यह दैवी कृपा और नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता थी कि इसकी स्मृति जगी और इसे इसके सही उपयुक्त स्थान पर प्रतिष्ठित करने का निर्णय लिया गया। ब्रिटिश असेंबली को हमने बाद में नवीन भारत की संसद के रूप में संगठित किया जिसमें लोकसभा और राज्य सभा का संचालन हुआ। लेकिन सब कुछ वही था जो ब्रिटिश ने बनाया। संसद का भवन हमारा परन्तु उसके भीतर स्मृतियाँ सब ब्रिटिश और दासता कीं। वहां सभी प्रारंभिक सदन अध्यक्षों के चित्रों में ब्रिटिश स्पीकरों के चित्र से सदन अध्यक्षों की परंपरा के प्रारम्भ होने का दृश्य हर दिन हमें सदन में प्रवेश करते ही चुभता था।

नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने ब्रिटिश कालीन दास मानसिकता के चिह्नों को मिटाना प्रारम्भ किया और स्वदेशी चेतना से उत्स्फूर्त नावीन्य का सृजन पर्व प्रारम्भ किया। नवीन संसद वास्तव में उसी नव चैतन्य का वह प्रतीक है जिसे शिव की शक्ति और महान तमिल पराक्रमी स्मृति सेंगोल राजदंड के रूप में शक्ति दे

रही है। यह ब्रिटिश दास मानसिकता के अंत का अद्घोष है। नवीन संसद भारतीय नव जागरण के सूर्योदय का, राष्ट्रीयता की आभायुक्त लोकतंत्र का संयुक्त तीर्थ है जो अपराजेय भारत के शौर्य और आध्यात्मिक आत्मा को प्रतिबिंबित करती है।

नवीन संसद उस महान तमिल शौर्य और धर्माधिष्ठित सत्ता को भी प्रतिबिंबित कर रही है जो अब तक सेक्युलर, वामपंथी बौद्धिक तत्वों की घृणा के कारण दबी रही थी। तमिल भाषा संसार की प्राचीनतम भाषाओँ में एक है, उसमें शिलपद्दिकरम, मणिमेखलै जैसे विश्व विख्यात दो हज़ार वर्ष से भी प्राचीन महान ग्रन्थ हैं। थिरूवल्लुवर जैसे वैश्विक संत और दार्शनिक तमिल जनजीवन के हर पक्ष को प्रभावित करते आ रहे हैं। लेकिन नरेंद्र मोदी से पहले इस अपार तमिल गौरव के सम्बन्ध में राष्ट्रीय स्तर पर कभी जानकारियों का प्रसार नहीं किया गया था। ऐसा क्यों होता है कि जब भी भारत अपने मूल स्वरूप और सांस्कृतिक सभ्यतामूलक गौरव की ओर लौटना चाहता है तो ब्रिटिश दास मानसिकता के सेकुलर वाम पंथी और दाम पंथी उसके विरोध में खड़े दिखते हैं? मुहम्मद गौरी के विरुद्ध बहादुरी से लड़े राजा सुहेलदेव हों या असम के पराक्रमी सेनापति लशित बड़फूकन- केवल नरेंद्र मोदी स्मृति के पुनर्जागरण और दास मानसिकता के विरुद्ध वीरता से लड़ते दिखाई देते हैं। यह दुर्भाग्य है कि जिस प्रधानमंत्री को देश के नागरिकों ने सम्मान पूर्वक प्रधानमंत्री पद हेतु अभिषिक्त किया उनके लोकतान्त्रिक पुनर्जागरण एवं राष्ट्रीय गौरव प्रतिष्ठापना कार्यों पर इतना बावेला मचाया जा रहा है मानो भारतीयता का जागरण कोई अपराध हो। राष्ट्रीयता के प्रश्नों पर भारत में मतैक्य क्यों नहीं हो सकता? भारत और भारतीयता के प्रश्नों पर क्यों हमें एक दूसरे के विरुद्ध खड़े होने की आवश्यकता महसूस होती है? क्या भारतीयता किसी एक पार्टी के एकाधिकार में मानी जा सकती है? शत्रु को ऐसी ही मानसिकता के लोगों द्वारा सहायता मिलती है। भारत आज सम्पूर्ण विश्व के देशों के लिए शक्ति और विश्वास का केंद्र बना है। शत्रुओं के खेमे में सेंध लगाकर राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था को अनेकानेक विपदाओं के मध्य स्थिर और प्रगतिशील रखने का कीर्तिमान बनाने वाले मोदी ने जब नवीन संसद का उद्घाटन किया तो यह एक नवीन राष्ट्रीय चैतन्य के अभ्युदय का महान क्षण था जो युगों युगों तक हमें अपनी आत्मा की शक्ति और हमारी असंदिग्ध भारत भक्ति का स्मरण कराता रहेगा।

मिलिशिया प्लाटून कमांड-इन-चीफ सोड़ी देवा गिरफ्तार

■ एक लाख का इनामी है नक्सली, दो दर्जन वारदातों में रहा शामिल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में पुलिस ने एक लाख का इनामी नक्सली मिलिशिया प्लाटून कमांड इन चीफ सोढ़ी देवा को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी नक्सली पर एक लाख रुपये का इनाम है। उसके पास नक्सलियों के सुरपनगुडा आरपीएस मिलिशिया प्लाटून कमांड की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि, सोढ़ी देवा एक दर्जन से ज्यादा नक्सली वारदातों में शामिल रहा है। 25 फरवरी को जगरगुंडा- कुंदेड़ मार्ग पर घटित नक्सली हमले में भी शामिल था। इसमें तीन जवान शहीद हुए थे।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस और सीआरपीफ 201वीं कोबरा बटालियन की ई कंपनी के जवान सोमवार सुबह संर्चिंग के लिए ग्राम कुंदेड़ की ओर रवाना हुए थे। इस दौरान जंगल में जवानों को देखकर एक संदिग्ध भागने लगा। जवानों ने पीछा किया

और घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास बरामद थैले से एक टिफिन बम, 50 मीटर वायर, चार इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, चार जिलेटिन रॉड, 50 मीटर कोर्डेक्स वायर व अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। जवानों ने उसे हिरसत में ले लिया गया। थाने लाकर पूछताछ की गई तो पता चला कि, पकड़ा गया संदिग्ध चिंतलनार के किस्टावरम निवासी सोड़ी देवा उर्फ सुनील है। वह प्रतिबंधित नक्सली संगठन सुरपनगुड़ा आरपीसी अंतर्गत मिलिशिया प्लाटून कमांड-इन चीफ के पद पर है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह बरामद विस्फोटक को जगरगुंडा-कुंदेड़ मार्ग पर जवानों को निशाना बनाने के लिए लगाने वाला था। उसके खिलाफ सात गिरफतारी वारंट जारी हो चुके हैं।

दो दर्जन से ज्यादा वारदातों में शामिल रहा

- 25 फरवरी को कुंदेड़ एंबुश वारदात में भी शामिल रहा।
- 2022 में चिंतलनार के सुरपनगुड़ा सरपंच मड़कम सन्ना की पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या
- 2022 में मल्लेवागू नाला के पास आईईडी लगाने में शामिल
- 2022 में मल्लेवागु नाला के पास स्पाइक लगाने में शामिल
- 2022 में सोमड़ी निवासी सिंगाराम की जमीन विवाद में हत्या
- 2021 में जगदरगुंडा के मिलियमपल्ली में पुलिस मुखबिरी के शक में दो ग्रामीणों की हत्या
- 2021 में पुलनपाड़ में संगठन के कमेटी सदस्य की पुलिस मुखबीर के शक में हत्या
- 2021 में चिंतलनार के मल्लेवागू नाला के पास रोड ब्लॉक
- 2021 में मुर्गा बाजार के पास आईईडी लगाने में शामिल
- 2021 में रावगुड़ा से किस्टावरम के रास्ते में प्रेशर बम लगाया
- 2019 में मुकरम नाला के पास रोड खोदने की घटना में शामिल
- 2018 में जगरगुंडा बाजार में व्यापारियों से सामान लूटा
- 2018 में चिंतलनार के मोरपल्ली पगडंडी के पास आईईडी विस्फोट, एक जवान घायल।
- 2018 में मल्लेवागू नाला के पास आईईडी विस्फोट में शामिल
- 2017 में चिंतलनार के लच्छीपारा-तोंगगुडा की ओर एरिया डॉमिनेशन पर निकले जवानों पर फायरिंग।
- 2017 में चिंतलनार-रावगुड़ा के बीच टेकरी के पास जवानों पर फायरिंग।

बीजापुर में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, चपेट में आकर सीआरपीएफ के तीन जवान घायल, रायपुर रेफर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाया है।

बीजापुर में सोमवार सुबह किए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। इनमें से एक जवान की हालत गंभीर है। तीनों जवानों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत देखकर बेहतर इलाज के लिए रायपुर एयरलिफ्ट करने की तैयारी है। वारदात गंगालूर थाना क्षेत्र में हुई है। पुलिस अफसरों ने बताया कि, पुसनार से सीआरपीएफ 222वीं और 85वीं बटालियन के जवान सोमवार सुबह एरिया डॉमिनेशन के लिए निकले थे। जवान गंगालूर की तरफ आगे बढ़ रहे थे, इसी दौरान सुबह करीब 10.30 बजे टेकामेटा पहाड़ी के पास नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इसकी चपेट में आकर 222वीं बटालियन का जवान विशाल, 85वीं बटालियन के जवान रिफान साहू और अमित कुमार घायल हो गए। घायल जवानों में विशाल के हाथ-पैर और अंदरूनी चोटें आई हैं। वहीं रिफान साहू के गले में और अंदरूनी चोटें लगी हैं। जबकि 85वीं बटालियन के अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हैं। ब्लास्ट के चलते उनका पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके अलावा सीने में और अंदरूनी चोटें भी लगी हैं। तीनों जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर करने की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था।

भाजपा निकालेगी पुरखौती सम्मान यात्रा, बनी रूपरेखा

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री गोवर्धन सिंह कंवर ने बताया कि पुरखौती सम्मान यात्रा के लिए कार्यकारिणी की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर रायपुर में आयोजित की गई।

इसमें मुख्य रुप से अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी वी सतीश जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम, पूर्व मंत्री एवं राज्यसभा सदस्य रामविचार नेताम, पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश प्रभारी महेश गागड़ा और संदीप कंवर, श्याम लाल मरावी, रामप्रसाद कोराम, विजय बहादुर, पदाधिकारी एवं सभी जिलों से आए हुए मोर्चा के सभी जिला अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित रहे। इस दौरान आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा प्रदेश में विभिन्न जगहों से नौ से 16 जून तक आयोजित करने पर चर्चा कर रूपरेखा तैयार की गई।

ननकीराम कंवर पूर्व गृहमंत्री व विधायक, विष्णु देव साय पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, ओपी चौधरी महामंत्री, सुनीति राठिया, सत्यानंद राठिया, गोमती साय कोरबा जशपुर, रायगढ़ क्षेत्र का प्रभार दिया गया। नौ जून से कैलाश गुफा 10 बजे, सन्ना 12 बजे, जशपुर तीन बजे, कुनकुरी छह बजे पहुंचेगे तथा विश्राम करेंगे। 10 जून को को कांसाबेल नौ बजे. पत्थलगांव 12 बजे भोजन फिर बागबाहरा दो बजे लैलूंगा चार बजे, 11 जून को गहिरा 10 बजे बकऊअमा 12 बजे, धरमजयगढ़ दो बजे, घरघोड़ा तीन बजे, तमनार रायगढ़ में विश्राम, 12 जून को 10 बजे खरसिया 12 बजे शक्ति से तीन बजे चांपा छह बजे जांजगीर व विश्राम, 13 जून को 10 बजे कोथारी से बरपाली 12 बजे, दो बजे करतला पांच बजे कुदमुरा विश्राम आठ बजे कोरबा, 14 जून को को 10 हरदीबाजार 12 बजे दीपका दो बजे नुनेरा से छह बजे पाली, 15 जून को पाली से 10 बजे चैतमा दो बजे जटगा पांच बजे लैंगा छह बजे पसान विश्राम करेगे। 16 जून को पसान से 10 बजे, पिपारिया 12 बजे, दुल्लापुर से पांच बजे, कोरबी में समापन किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रम के बारे में भी चर्चा कर मोर्चे को हर कार्यक्रम मे सफलतापूर्वक अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तत्परता से कार्य करने कार्यकर्ताओं से कहा गया।

जल संकट: खनन प्रभावित गांवों में माकपा ने किया 13 घंटे तक चक्काजाम

कोरबा। बांकीमोंगरा क्षेत्र के खनन प्रभावित गांवों में पेयजल आपूर्ति रोकने के विरोध में प्रभावितों के 13 घंटे चले चक्का जाम आंदोलन के सामने एसईसीएल के अधिकारियों को आखिरकार झुकना पड़ा। प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में हुई त्रिपक्षीय वार्ता में एसईसीएल के अधिकारियों ने तत्काल पहले की तरह पानी देने, पाइप लाइन के लिए सर्वे करने व तालाब भरने का आश्वासन दिया।

बांकीमोंगरा खदान प्रभावित बांकी बस्ती, मड़वाढोढा, पुरैना में एसईसीएल द्वारा जल आपूर्ति रोके जाने से परेशान सैकड़ों ग्रामीणों ने शुक्रवार को माकपा पार्षद राजकुमारी कंवर की अगुवाई में चक्काजाम कर दिया । देर रात चले आंदोलन के दौरान तीन बार एसईसीएल के अधिकारियों को वार्ता करने स्थल पर आना पड़ा, पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलनकारियों ने नाराजगी जाहिर कर उल्टे पांव लौटा दिया। इसके बाद देर रात एसडीएम कटघोरा कौशल तेंदूलकर ने पहल की। एसईसीएल के अधिकारियों को तलब कर वार्ता शुरू कराया। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक द्वारा आश्वासन दिए जाने पर आंदोलन समाप्त हुआ।

शनिवार को एसईसीएल कोरबा मुख्यालय में कटघोरा एसडीएम कौशल प्रसाद तेंदुलकर, महाप्रबंधक अजय तिवारी, सिविल एसओ भानु, सुराकछार सबएरिया मैनेजर पी मावावाला, माकपा प्रतिनिधि मंडल से प्रशांत झा, जवाहर सिंह कंवर, अजीत सिंह कंवर, दामोदर, दीपक साहू की उपस्थिति में त्रिपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान माकपा ने खदान प्रभावित बांकी बस्ती, पुरैना, मड़वाढोढा गांव में पेयजल और निस्तारी के लिए पानी पूर्व की तरह देने की मांग की। इस पर एसडीएम ने प्रबंधन से प्रभावित गांव में जल्द पानी की व्यवस्था करने कहा। महाप्रबंधक तिवारी ने कहा कि बांकी बस्ती और पुरैना गांव के पाइप लाइन का सर्वे किया गया

है। जल्द जिला प्रशासन के साथ मिलकर पूर्व की तरह पाइप लाइन के माध्यम से पानी की व्यवस्था की जाएगी। तालाब को भरने की व्यवस्था और गांव में नया बोर होल जल्द कराने का आश्वासन महाप्रबंधक ने दिया। माकपा नेता प्रशांत झा ने कहा कि पानी की समस्या का स्थाई समाधान नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन चक्काजाम होगा। उल्लेखनीय है कि कोयला खनन के कारण खनन प्रभावित गांवों में जल स्तर काफी गिर चुका है और अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एसईसीएल ही पीने, निस्तारी और सिंचाई के लिए पानी का प्रबंध करते आया है। लेकिन बांकी खदान बंद होने के बाद अब अचानक एसईसीएल द्वारा इन बांकी बस्ती, पुरैना, मड़वाढोढा गांवों में जल आपूर्ति रोक दी थी, इससे यहां के ग्रामीणों का न केवल दैनिक दिनचर्या गड़बड़ा गई है, बल्कि खेती-किसानी पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। माकपा नेता प्रशांत झा ने आरोप लगाया कि बांकी खदान से कमाई बंद होते ही अब एसईसीएल अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को पूरा करने से आनाकानी कर रही है, जबकि किसानों की आजीविका सुनिश्चित करना उसकी जिम्मेदारी है और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को पाना ग्रामीणों का अधिकार है। माकपा के इस आंदोलन को छत्तीसगढ़ किसान सभा ने भी अपना समर्थन दिया और बड़ी संख्या में किसान सभा के कार्यकर्ता भी आंदोलन में शामिल हुए। माकपा ने कहा की एसईसीएल ने अगर पेयजल जैसी समस्या को पूरा नहीं किया तो आगे और उग्र आंदोलन होगा।

भाजपा ने रेल दुर्घटना मे मृत व्यक्तियों को दी श्रद्धांजलि

■ एनडीआरएफ ओडीआरएफ सहित सेवा मे लगे व्यक्तियों एवं संस्थाओं को नमन - शशि पवार

■ घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने को लेकर ईश्वर से प्रार्थना

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी ने उड़ीसा के बालासोर मे हुई भीषण रेल दुर्घटना मे मृत व्यक्तियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी है। साथ ही जिलाध्यक्ष शशि पवार सहित प्रमुख कार्यकर्ताओं ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है ।

इस दुखद घटना मे प्रभावित लोगों की मदद के लिए लगातार अपनी सेवा दे रहे एन डी आर एफ ओ डी आर एफ सहित समस्त व्यक्तियों एवं संस्थाओं को इस कठिन समय मे मानवता का परिचय देने पर नमन करते भाजपा ऐसे सभी महानुभावों को साधुवाद देती है । इस दुख की घड़ी मे भारतीय जनता पार्टी मृतकों के परिवार के साथ खड़ी है और उनके प्रति संवेदना व्यक्त करती है ।

संवेदना व्यक्त करने वालों मे प्रमुख रूप से विधायक श्रीमती रंजना साहू, प्रदेश मंत्री रामू रोहरा, पूर्व विधायक इंदरचंद चोपड़ा, पूर्व महापौर अर्चना चौबे, महामंत्री कविंद्र जैन, हेमलता शर्मा, नरेंद्र रोहरा, हेमंत माला, नेहरू निषाद, अरविंद मुंडी, चेतन हिंदूजा, श्यामा साहू, वीथिका विश्वास, विजय साहू, हेमंत चंद्राकर, मुरारी यदु, उमेश साहू, निलेश लूनिया, अखिलेश सोनकर सहित सभी प्रमुख जन शामिल हैं। यह जानकारी धमतरी विधानसभा के मीडिया सह प्रभारी सौरभ मिश्रा ने आज जारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से दी ।

भाजयुमो ने बालासोर में ट्रेन दुर्घटना के मृतकों को किया श्रद्धांजलि अर्पित

नगरी। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल नगरी के द्वारा बजरंग चौक पर बालासोर में हुए हृदय विरादक ट्रेन दुर्घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। तथा मृत आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर श्रधंजलि दी गई। जिसमे भाजयुमो प्रदेश कार्यकारणी सदस्य निखिल साहू, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य नरसिंह मरकाम, भाजपा महामंत्री राजेशनाथ गोसाई, मंत्री बलजीत छाबड़ा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सुनील निर्मलकर, महामंत्री यशवंत साहू, संत कोठरी, मनीष शर्मा, राजा पवार, नीलम साहू, ओमी ठाकुर, गज्जू शर्मा, सौरभ नाग, तरुण साहू, सुरेंद्र लहरे, यश साहू, निखिल नेताम, सोनू यादव, रूपेश साहू, सोमू सोनी, राहुल, नीरज साहू, रवि, तरुण साहू, सतीश ध्रुव उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जनपद अध्यक्ष ने सरई बीज बीनने वृद्धा की मदद की

नगरी। जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम एवं जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम एवं सरपंच मेचका विमला धुर्वा संवेदनशील क्षेत्र के गांव बरपदर में जनसंपर्क पर थे। जनसंपर्क के दौरान ग्राम मेचका (नगरी विकासखंड) की वृद्ध महिला कड़ी धूप में सरई बीन रही थी। उन्हें देखकर कुछ देर रूककर सरई बीनकर बोरी में भरने में मदद किये। वृद्धा ने बताया कि इस साल मौसम की मार से अंधड़, तूफान, गरज चमक और बेमौसम बारिश से सरई वनोपज प्रभावित हुआ है। जिससे ग्रामीणों को बहुत नुकसान हुआ है। फिर भी गांव सूना है, सब सरई संग्रहण में व्यस्त हैं। वनग्रामों में ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य साधन सरई (वनोपज) ही है। इस साल 'प्रकृति' की कृपा सरई पर अच्छी हुई है। पर दुर्भाग्य से आढ़तियों, कोचियों और व्यापारियों ने साजिश के तहत सरई की कीमत गिराकर खरीदी कर रहे हैं, जिससे आदिवासियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। जनपद अध्यक्ष एवं महेन्द्र नेताम ने शासन प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीण अदिवासियों को सरई वनोपज का वाजिब कीमत दिलाकर राहत प्रदान करें।

भैंसगांव में वन अधिकार मान्यता पत्र संबंधी कार्यशाला का किया गया आयोजन

कांकेर। जिले के कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला एवं वनमण्डलाधिकारी पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल श्रीकृष्ण जाधव के मार्गदर्शन में अंतागढ़ विकासखण्ड के रावघाट माइनिंग परियोजना से प्रभावित ग्राम भैंसगाँव में अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 के तहत प्रदत्त अधिकारों के संबंध में कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षण दिया गया। प्रदान संस्था की एरिया एक्जिक्यूटिव रेनुका साहू, एरिया को-ऑर्डिनेटर संतोष जैन तथा इफ़.इ.एस. संस्थान के तुलसी नेताम एवं श्री शोरी द्वारा ग्रामीणों को व्यक्तिगत वन अधिकार मान्यता पत्र, सामुदायिक वन अधिकार, वन संसाधन अधिकार पत्र एवं वनों के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रबंधन से संबंधित अन्य अधिकारों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों का क्रियान्वयन की पद्धति के संबंध में जागरूक करना था।

8 व 9 जुलाई को होगा चतुर्थ श्रेणी भर्ती का साक्षात्कार

बेमेतरा। कार्यालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश बेमेतरा की स्थापना हेतु चतुर्थ श्रेणी भृत्य/फर्राश/दफ्तरी कम फर्राश/आकस्मिकता निधि (दैनिक वेतनभोगी) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर 8 जुलाई एवं 9 जुलाई 2023 को सुबह 9 बजे से तीन पालियों में साक्षात्कार लिया जावेगा। प्रथम दिवस के साक्षात्कार में रोल नंबर पी0001 से पी1066 तक आवेदकों का तथा द्वितीय दिवस के साक्षात्कार में रोल नंबर पी1067 से पी2132 तक आवेदकों का साक्षात्कार होगा। उक्त पद के साक्षात्कार की प्रवेश पत्र प्रति जिला न्यायालय की अधिकारिक वेबसाईड districts.ecourts.gov.in/bemetara पर अपलोड की गयी है। प्राविधिक रूप से पात्र पाये गये अभ्यर्थी/आवेदकों को पूर्व में दिये गये निर्देश अनुसार साक्षात्कार की तिथि के ठीक चार दिन से एक दिन पूर्व तक कार्यालयीन समय पर दस्तावेजों की जांच हेतु गठित कमेटी के समक्ष उपस्थित होकर उनके नाम के सन्मुख उल्लेखित कमियों को पूर्ण करेगें।

पहाड़ी पर भालू की दहशत, ऊंचाई से गिरे दो युवक

मनेन्द्रगढ़। कोरिया जिले के सिद्ध बाबा पहाड़ी पर घूमने आए दो युवक 1000 फीट की ऊंचाई से गिर गए। घटना शनिवार की बताई जा रही है। पहाड़ी से गिरने के कारण दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया है। हादसे का कारण पहाड़ी पर भालू की दहशत को बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ निवासी आमिर अंसारी और जाकिर खान शनिवार की शाम को सिद्ध बाबा पहाड़ी घूमने गए थे। पहाड़ी पर अक्सर भालूओं को देखा जाता है। इनके साथ आए साथियों में से एक का मस्ती सूझी और उसने कहा दिया कि भालू आया। भालू की बात सुनकर आमिर अंसारी और जाकिर खान हड़बड़ा गए और इसी हड़बड़ाहट में पहाड़ी से गिर गए। बताया जा रहा है कि जहां से दोनों गिरे उसकी ऊंचाई लगभग 1000 फीट की है। घटना के बाद आसपास ग्रामीण जमा हो गए और दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें एक ही हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया।

कटहल के नीचे इमारती लकड़ी की तस्करी, गिरफ्तार

बलरामपुर। महंगी इमारती लकड़ी की तस्करी करने वाले को चांदो पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्कर कटहल के नीचे महंगी लकड़ियों की तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने एक आरोपी को दबोच लिया वहीं दूसरा भागने में सफल हो गया। सूत्रों ने बताया कि बलरामपुर के चांदो थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो तस्कर महंगी इमारती लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की जांच-पड़ताल शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने एक वाहन को रोका इसमें भारी मात्रा में कटहल रखा हुआ था, बारीकी से जांच करने पर कटहल के नीचे महंगी इमारती लकड़ी की 20 सिल्ली रखी हुई थी। पुलिस ने मामले में एक तस्कर को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है. तस्करी में इस्तेमाल पिकअप वाहन को भी पुलिस ने जब्त कर लिया गया है. गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय भेज दिया गया है. वहीं, दूसरा आरोपी जंगल के रास्ते भागने में सफल हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

गेवरा परियोजना विस्तार की जन सुनवाई स्थगित करने की मांग

■ किसान सभा ने की विरोध, चेतावनी के साथ प्रभावित गांवों में बैठकों का दौर शुरू

कोरबा। एसईसीएल के अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार नाराजगी बढ़ते जा रही है। इसका असर अब खदान विस्तार पर भी पड़ने लगा है। मेगा परियोजना गेवरा ओपनकास्ट का विस्तार किया जाना है और इसके लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई आयोजित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके पहले ही क्षेत्र में विरोध के स्वर उभरने लगे हैं। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ ने गेवरा खदान के क्षमता विस्तार के लिए होने वाली जनसुनवाई को निरस्त करने की मांग करते हुए कहा है कि पहले अधिग्रहित की गई भूमि पर भू-विस्थापितों के लंबित रोजगार, मुआवजा, बसावट समेत अन्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। साथ ही खनन के कारण बढ़ते

प्रदूषण और गिरते जल स्तर की समस्या को प्राथमिकता से हल करे। विरोध करने के लिए गांवों में बैठक का दौर शुरू हो गया है।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्डिस लिमिटेड एसईसीएल की गेवरा ओपन कास्ट खदान परियोजना की क्षमता 490 लाख टन वार्षिक से बढ़ाकर 700 लाख टन किया जा रहा है। इसके कारण इस परियोजना का रकबा 4184.486 हेक्टेयर से बढ़ाकर 4781.798 हेक्टेयर किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़ किसान सभा के जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर और सचिव प्रशांत झा ने कहा कि कोरबा देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में शामिल है और लोगों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

बावजूद एसईसीएल स्वास्थ्य शिविरों और विस्थापित परिवारों को इलाज की कोई सुविधा नहीं देती हैं और कोयला उत्पादन से मिलने वाले डीएमएफ फंड को अन्य क्षेत्र में खर्च किया जाता है, इससे प्रभावितों को कोई लाभ नहीं होता। भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ के अध्यक्ष रेशम यादव, दामोदर श्याम, रघु यादव आदि ने आरोप लगाया है कि पूर्व में खदान खोलने के लिए किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन 40 साल बीत जाने के बाद भी भू-विस्थापित रोजगार व बसावट के लिए भटक रहे हैं और अपने अधिकार को पाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। किसान सभा के नेता दीपक साहू ने कहा है कि खदान विस्तार से छोटे किसान अपने आजीविका से वंचित हो जायेंगे।

20.40 लाख का तेंदूपत्ता जलकर राख हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया ट्रक

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में तेंदूपत्ता लोड कर जा रहा एक ट्रक सोमवार को 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। इसके चलते ट्रम में आग लग गई और उसमें भरा तेंदूपत्ता जलकर राख हो गया। इस दौरान ट्रम में सवार चालक और छह मजदूरों ने कूदकर किसी तरह से अपनी जान बचाई। हादसे के चलते ट्रक में भरा करीब 20.40 लाख रुपये का माल जल गया। हादसा चंदौरा थाना क्षेत्र में हुआ है।

फड़ से गोदाम जा रहा था तेंदूपत्ता लोड ट्रक

घुई वन परिक्षेत्र के डिप्टी रेंजर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि, ओड़गी विकासखंड अंतर्गत

■ चालक और मजदूरों ने कूदकर बचाई जान

ग्राम लांजीत वन समिति में तेंदूपत्ता खरीदी के लिए तीन फड़ बनाए गए थे। लांजीत के अलावा जीवारीपारा व मयूरधक्की में संग्रहित तेंदूपत्ता को सुखाने के बाद वाड्रफनगर के गोदाम में परिवहन कराया जा रहा था। ट्रक में 214 मानक बोरा तेंदूपत्ता लोड कर उसे सोमवार को गोदाम के लिए रवाना किया गया।

आग लगते ही चालक ने सड़क किनारे खड़ा किया ट्रक

इस दौरान लांजीत से निकलने के बाद गोरगी गांव के पास एक स्थान पर हाईटेंशन तार काफी नीचे था। तेंदूपत्ता से भरे बोरों के संपर्क में आने पर स्पार्किंग हुई और अचानक आग लग गई। चालक जब तक कुछ समझ पाता तब तक आग पूरी तरीके से फैल चुकी थी। इस पर चालक ने सड़क किनारे ट्रक खड़ा कर दिया। इसके बाद मजदूर और चालक उससे उतर गए। हादसे के समय ट्रक में छह मजदूर सवार थे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

रेल हादसे पर जवाबदेही तय करने से ध्यान न भटकाए सरकार : खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को सरकार पर बालासोर रेल हादसे को लेकर जवाबदेही तय करने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने एवं ध्यान भटकाने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा कि इस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में इस हादसे की सीबीआई जांच के फैसले के औचित्य पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि यह एजेंसी अपराधिक मामलों की छानबीन के लिए बनी है तथा यह ऐसे मामले में तकनीकी, संस्थागत और राजनीतिक विफलता की जवाबदेही तय नहीं कर सकती। खरगे ने पत्र में कहा, ओडिशा के बालासोर में हुई भारतीय इतिहास की भयावह रेल दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। रेल लोगों के लिए परिवहन का सबसे भरोसेमंद और सस्ता साधन है।

आगामी सभी चुनाव मिलकर लड़ेंगी भाजपा-शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को घोषणा की कि शिवसेना और भाजपा ने आगामी 2024 लोकसभा चुनाव, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव सहित सभी चुनाव संयुक्त रूप से लड़ने का फैसला किया है। नई दिल्ली में शिंदे, डिप्टी सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और गृह मंत्री अमित शाह के बीच एक बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। शिंदे ने एक ट्वीट में कहा कि इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शिवसेना और भाजपा राज्य में आगामी सभी चुनाव (लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव सहित) मिलकर लड़ेंगी। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के विकास के लिए शिवसेना-बीजेपी गठबंधन %मजबूत% है। उन्होंने कहा कि भविष्य में हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और बहुमत से जीतकर महाराष्ट्र को सभी क्षेत्रों में देश का नंबर एक राज्य बनाएंगे, विकास की दौड़ जारी रखेंगे।

कश्मरी में जी20 के सफल आयोजन से भड़के फारुक

श्रीनगर। कश्मीर में जी-20 पर्यटन समूह की ऐतिहासिक और सफल बैठक से पूरी दुनिया में संदेश गया कि कश्मीर के बारे में जो दुष्प्रचार पाकिस्तान फैलाता रहता है वह गलत है। जी-20 समूह की बैठक के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों ने देखा कि कैसे श्रीनगर स्मार्ट सिटी बन रहा है और कश्मीर के बाकी हिस्सों में भी विकास के काम तेजी से हो रहे हैं। लेकिन यह सब पाकिस्तान को और कश्मीर को बरसों तक लूटने वाले परिवारवादी दलों को पसंद नहीं आया। पाकिस्तान की ओर से पैदा की जाने वाली तमाम अड़चनों के बावजूद भारत ने कश्मीर में जी-20 का सफल आयोजन कर आतंक के मुँह पर करारा तमाचा मारा लेकिन नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला को देश की यह उपलब्धि पच नहीं रही है। उन्होंने कहा है कि जी-20 बैठक से हमें सिर्फ इतना लाभ हुआ है कि सड़कें बन गयी हैं और स्ट्रीट लाइटें ठीक हो गयी हैं। फारुक अब्दुल्ला को कश्मीर की उपलब्धि नहीं दिख रही है।

हाईकोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से किया इनकार

नईदिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की छह सप्ताह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने सिसोदिया को अपनी पत्नी से एक दिन के लिए, उनकी सुविधानुसार, आवास पर या अस्पताल में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच मिलने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि मनीष सिसोदिया को जमानत देने के लिए राजी करना इस अदालत के लिए बहुत मुश्किल है। हालांकि, हम निर्देश देते हैं कि उन्हें (मनीष सिसोदिया) निवास या अस्पताल ले जाया जाए जहां श्रीमती सिसोदिया हैं। उन्हें सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच अस्पताल/निवास पर ले जाया जाए। कोर्ट ने कहा कि इस अवधि के दौरान, याचिकाकर्ता अपने परिवार के सदस्यों को छोड़कर किसी और के साथ बातचीत नहीं करेगा। आदेश में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश है कि सिसोदिया जहां अपनी पत्नी से मिलने जाते हैं वहां मीडिया का जमावड़ा नहीं हो।

सरकार का पूरा जोर पर्यावरण को कमजोर करने पर: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसका पूरा जोर पर्यावरण एवं वन से संबंधित कानूनों को कमजोर करने पर है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह दावा भी किया कि सरकार आगे भी इन कानूनों पर हमले की तैयारी कर रही है। रमेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन संबंधी संसद की स्थाई समिति के प्रमुख भी हैं। उन्होंने सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया, आज विश्व पर्यावरण दिवस है और निसंदेह स्वघोषित पर्यावरणप्रेमी अपना ज्ञान देंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि उनका पूरा ज़ोर पर्यावरण और वन कानूनों एवं नियमों को पूरी तरह से कमज़ोर करने पर है। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने आरोप लगाया, पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित कानूनों को अत्यधिक उदार बनाया गया है।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप

प्रधानमंत्री पीछे देखकर ड्राइव कर रहे हैं इसलिए भारत की गाड़ी लड़खड़ा रही है

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहने को तो अमेरिका यात्रा पर इसलिए गये हैं ताकि वह प्रवासी भारतीयों के बीच कांग्रेस की नीतियों का प्रसार करें और देश के लिए अपने विजन के बारे में उनको बता सकें लेकिन राहुल गांधी पूरी यात्रा के दौरान सिर्फ भाजपा-आरएसएस-मोदी पर हमला करने में ही जुटे हुए हैं। उनके हर संबोधन में मोदी पर पहले से बड़ा हमला होता है, उनके हर संबोधन में आरएसएस-भाजपा के खिलाफ पहले से ज्यादा नफरत प्रदर्शित होती है, उनके हर संबोधन में भारत के संवैधानिक संस्थानों की स्वतंत्रता के बारे में सवाल उठा कर भारत की लोकतांत्रिक देश की छवि पर सवालिया निशान लगाया जाता है। खास बात यह है कि राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र पर उस जून महीने में सवाल उठा रहे हैं जिसमें उनकी दादी इंदिरा गांधी ने देश के लोकतंत्र को कुचलते हुए आपातकाल थोप दिया था।

राहुल गांधी पिछले दो लोकसभा चुनावों से अपनी पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और दोनों ही बार उनकी पार्टी लोकसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा हासिल करने लायक सीटें भी नहीं जीत सकी लेकिन राहुल गांधी कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की गाड़ी चलाते हुए सामने देखने की बजाय पीछे के शीशे में देख रहे हैं जिससे देश की गाड़ी लड़खड़ा रही है। कांग्रेस सांसदों और पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बड़ी संख्या में लेकर अमेरिका गये राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि वे भविष्य के बारे में

कभी बात नहीं करते और हमेशा अपनी विफलताओं के लिए अतीत में किसी न किसी को दोषी ठहराते हैं। अमेरिका की यात्रा पर आए राहुल ने जेविट्स सेंटर में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने ओडिशा ट्रेन हादसे में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति के लिए 60 सेकंड का मौन भी रखा। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कांग्रेस के मंत्री का नाम लिए बिना कहा, मुझे याद है कि कांग्रेस के शासन के दौरान एक ट्रेन हादसा हुआ था। उस समय कांग्रेस ने यह नहीं कहा था कि 'ट्रेन हादसा अंग्रेजों की गलती की वजह से हुआ'। कांग्रेस के मंत्री ने कहा था, यह मेरी जिम्मेदारी है और मैं इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में यही समस्या है हम बहाने बनाते हैं, हम सच्चाई को स्वीकार कर उसका सामना नहीं करते। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस दूरदर्शी नहीं हैं।

राहुल ने कहा, वह (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) गाड़ी चलाने की कोशिश कर रहे हैं... भारत की गाड़ी और वह पीछे (शीशे में) देखकर गाड़ी चला रहे हैं। इसलिए उन्हें समझ नहीं आ रहा कि गाड़ी लड़खड़ा क्यों रही है और आगे क्यों नहीं बढ़ पा रही है। भाजपा और आरएसएस के साथ भी यही है, सभी के साथ। आप मंत्रियों की बातें सुनें, प्रधानमंत्री की बात सुनें। आप उन्हें कभी भविष्य के बारे में बात करते नहीं पाएंगे। वे केवल अतीत की बात करते हैं।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, भाजपा और आरएसएस केवल अतीत की बात करते हैं और अपनी विफलताओं के लिए हमेशा अतीत में किसी को दोषी ठहराते हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है- एक जिस पर कांग्रेस विश्वास करती है और दूसरी जिसे भाजपा तथा आरएसएस मानती है। राहुल ने कहा, इसे समझाने का सबसे सरल तरीका यह है कि एक तरफ आपके पास महात्मा गांधी हैं और दूसरी तरफ नाथूराम गोडसे।''

विदेश मंत्री जयशंकर का राहुल गांधी पर पलटवार

दूसरी ओर, राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि जब कोई व्यक्ति देश से बाहर कदम रखता है, तो कभी-कभी ''राजनीति से भी बड़ी चीजें'' होती हैं। जयशंकर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर कई बार निशाना साधा। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के बाद केपटाउन में प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि वह अपने बारे में बात कर सकते हैं और विदेश यात्रा के दौरान राजनीति नहीं करते। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''देखिये, मैंने कहा है कि मैं केवल अपने लिए बात कर सकता हूं, मैं कोशिश करता हूं कि जब मैं विदेश जाऊं तो राजनीति न करूं।' उन्होंने कहा, ''मैं स्वदेश में बहस करने और जोरदार तरीके से बहस करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि आप जानते हैं, एक लोकतांत्रिक व्यवस्था की भी एक निश्चित सामूहिक जिम्मेदारी होती है। राष्ट्रीय हित होता है, सामूहिक छवि होती है। कभी-कभी राजनीति से भी बड़ी चीजें होती हैं और जब आप देश के बाहर कदम रखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह याद रखना महत्वपूर्ण होता है। जयशंकर ने कहा, ''तो मेरी किसी के साथ असहमति हो सकती है। मैं आपसे कह सकता हूं, मैं उनसे असहमत हूं। लेकिन, मैं इसका जवाब कैसे दे सकता हूं, मैं स्वदेश जाकर उसे करना चाहूंगा। और जब मैं वापस आऊंगा, तो मुझ पर नजर रखिएगा।' जयशंकर ने कहा कि आज भारतीय विदेश नीति का एक हिस्सा विदेशों में भारतीय नागरिकों के कल्याण को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि आज भारतीयों के वैश्वीकरण को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि ऐसे तंत्र स्थापित किए जाएं, जो कठिन परिस्थितियों में प्रतिक्रिया दे सकें। उन्होंने कहा, ''कभी-कभी वे किसी देश के अनुसार हो सकते हैं।

विपक्षी दलों की मेगा बैठक 23 जून तक के लिए टली

पटना। पटना में 12 जून को होने वाली विपक्ष की बड़ी बैठक अब 23 जून को होगी। हालांकि, इसमें भी बदलाव हो सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि आने वाले दिनों में नई तारीख की घोषणा की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस और उसके तमिलनाडु में सहयोगी के अनुरोध पर तारीख में बदलाव किया गया है। कांग्रेस के राहुल गांधी की अनुपस्थिति को देखते हुए इसमें बदलाव किया गया है। हालाकि, इसको लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की खबर भी तैर रही हैं।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने अपने बयान में कहा कि 12 जून को होने वाली विपक्ष की बैठक टाल दी गई है। बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को आना था, कोई और प्रतिनिधि आएगा तो यह ठीक नहीं है। इसलिए हमने कांग्रेस पार्टी से कहा है कि पार्टी के प्रमुख को आना चाहिए। बैठक की नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।

क्या है राजनीतिक कारण

बिहार की राजनीति में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि कहीं ना कहीं विपक्षी दलों में कुछ बात को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। यही कारण है कि इस बैठक को आगे बढ़ाया गया है। एक चर्चा यह भी है कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच फिलहाल सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। तृणमूल कांग्रेस अपनी इस बात पर अड़ी हुई है कि जहां भी क्षेत्रीय दल मजबत हैं, वहां कांग्रेस को चुनाव में नहीं आना चाहिए। हाल में ही पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के एकमात्र विधायक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए जिसके बाद से ही विवाद और बढ़ गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस एक दूसरे के घोर विरोधी हैं। अगर यह एक साथ आते हैं तो कहीं ना कहीं कांग्रेस के लिए पंजाब और दिल्ली में बहुत बड़ा झटका होगा। इसको लेकर भी बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है। बिहार के भागलपुर में एक पुल के दूसरी बार बह जाने के बाद राजनीति और तेज हो गई है। भाजपा इस मामले को लेकर जबरदस्त तरीके से आक्रामक है। खबर यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में बिहार के

दौरे पर जा सकते हैं। पहले तो इस बात की संभावना ज्यादा थी कि 12 या 13 जून को प्रधानमंत्री बिहार में रैली करेंगे। इस कारण भी हो सकता है विपक्ष की बैठक को आगे बढ़ायी गई हो।

इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने साफ कर दिया था कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी 12 जून को होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे। पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा था कि अगर दोनों नेता बैठक में शामिल नहीं हो सकते हैं, पार्टी का कोई सदस्य प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बैठक की तारीख आगे बढ़ाने की अपील की थी। रमेश की टिप्पणी के तीन दिन बाद यह घोषणा की गई कि बैठक स्थगित कर दी गई है।

बैठक को विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए नीतीश की बोली के रूप में देखा गया था। हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ समान विचारधारा वाले दलों को एकजुट करने के लिए दिल्ली, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और कर्नाटक सहित कई राज्यों की यात्रा की। नीतीश ने पहली बार 12 अप्रैल को कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की थी, जिसके बाद राहुल गांधी ने उनसे मुलाकात को विपक्षी एकता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया था। उन्होंने अरविंद केजरीवाल, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के अलावा ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक और अन्य से भी मुलाकात की।

खेल
प्रमुख समाचार

इंग्लैंड की पिच पर कड़ी मेहनत जरुरी : रोहित शर्मा

लंदन। भारतीय टीम को सात जून से इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। इस भिड़ंत से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इंग्लैंड की पिच ऐसी है जहां कड़ी मेहनत करने के अलावा बल्लेबाजों के पास अन्य विकल्प नहीं होता है।

गौरतलब है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उपमहाद्वीप से बाहर अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2021 में 'द ओवल' में बनाया था। रोहित शर्मा का कहना है कि इंग्लैंड में ऐसी परिस्थितियां होती हैं जहां बल्लेबाज के तौर पर कोई भी क्रीज पर सहज महसूस नहीं करता लेकिन उसे पता चल जाता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ कब आक्रामकता बरतनी है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां आईसीसी के एक कार्यक्रम 'आफ्टरनून विद टेस्ट लीजेंड्स' में अपनी बात रखी। रोहित शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थितियां बनती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को तैयार रहना होगा तभी सफलता की सीढ़ी चढ़ी जा सकती है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। हालांकि इस मैदान पर अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास नहीं रहा है। विराट कोहली का इस मैदान पर औसत 30 का भी नहीं है, जबकि पुजारा ने इस मैदान पर 20 की औसत से भी कम में रन बनाए है। ऐसे में रोहित शर्मा की चिंता का विषय सही लगता है। पैट कमिंस, रॉस टेलर और इयान बेल के साथ बैठे भारतीय कप्तान ने अपने निजी अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''2021 में मुझे एक चीज महसूस हुई कि आप कभी भी क्रीज पर जमते नहीं हो और फिर मौसम बदलता रहता है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 240 अंक मजबूत निफ्टी 18,600 के करीब

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आज घरेलू शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स 240 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 60 अंको की बढ़त दर्ज की गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,593.85 पर बंद हुआ। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 240.36 अंक यानी 0.38 फीसदी मजबूत होकर 62,787.47 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,943.20 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 62,751.72 तक आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 59.75 अंक यानी 0.32 फीसदी चढ़ा। निफ्टी दिन के अंत में 18,593.85 अंक पर बंद हुआ।

बायजू अगले साल तक लाएगी आकाश का आईपीओ

नईदिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बायजू अगले साल के मध्य तक आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आकाश एजुकेशन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराती है। बायजू ने एक बयान में कहा कि आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड की आय वित्त वर्ष 2023-24 में 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान परिचालन लाभ 900 करोड़ रुपये रह सकता है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'बायजू अपनी सहायक इकाई आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ अगले साल के मध्य में पेश करेगी।' बायजू के बोर्ड ने आईपीओ के लिए अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है।

वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 10 फीसदी बढ़ी

नईदिल्ली। ऑटो डीलरों के निकाय फाडा ने सोमवार को कहा कि यात्री वाहनों, दोपहिया और ट्रैक्टर सहित सभी खंडों में मजबूत मांग के कारण मई में वाहनों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी बढ़ी। आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने वाहनों की कुल बिक्री बढ़कर 20,19,414 इकाई हो गई, जो मई 2022 में 18,33,421 इकाई थी। मई में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 2,98,873 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,86,523 इकाई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि लंबित ऑर्डर सूची के साथ ही वाहनों की उपलब्धता बढ़ने तथा नई पेशकश से मांग मजबूत हुई। समीक्षाधीन महीने में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री नौ फीसदी बढ़कर 14,93,234 इकाई हो गई, जो मई 2022 में 13,65,924 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सात फीसदी बढ़कर 77,135 इकाई रही।

सऊदी अरब के तेल उत्पादन घटाने से महंगा होगा पेट्रोल

नईदिल्ली। सऊदी अरब के तेल उत्पादन में कटौती करने की घोषणा से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट थम सकती है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि ऐसे में भारत में ईंधन की कीमत समीक्षा में देरी होगी। सऊदी अरब ने रविवार को कहा था कि वह जुलाई से तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 बैरल की कटौती करेगा। दूसरी ओर ओपेक और अन्य उत्पादक देश आपूर्ति में की गई कटौती को 2024 के अंत तक बढ़ाने पर सहमत हुए। इस फैसले के कारण सोमवार को तेल की कीमतों में एक डॉलर प्रति बैरल से अधिक की बढ़ोतरी हुई। ब्रेंट क्रूड वायदा 78.73 डॉलर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर पर पहुंचने के बाद शुरुआती कारोबार में 1.51 डॉलर या दो फीसदी की तेजी के साथ 77.64 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। यह तेजी भारत के लिए आयातित कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी को पटल देगी।

आर्थिक विकास से मानव विकास, जरूरी है जीडीपी की गति बनाए रखना

संतोष मेहरोत्रा

भारतीय अर्थव्यवस्था 2016 से आर्थिक विकास में मंदी और बढ़ती शिक्षित बेरोजगारी के साथ एक महत्वपूर्ण चरण से गुजर रही है। 2004 से 2014 तक विकास दर भारत के आधुनिक आर्थिक इतिहास में सबसे अधिक थी। रोजगार में संरचनात्मक परिवर्तन, जो 2004 से शुरू हुआ था, के कारण कृषि में मशीनीकरण बढ़ा, निर्माण क्षेत्र में उछाल आया, गैर-कृषि नौकरी में उच्च वृद्धि हुई (2004-05 के बाद से 75 लाख प्रति वर्ष), वास्तविक मजदूरी दर बढ़ी, गरीबी में कमी आई ।

परंतु 2016 की नोटबंदी के बाद से वर्ष 2019 तक आर्थिक विकास दर घटती चली गई। फिर कोविड महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था में दशकों बाद भारी संकुचन हुआ। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां 3.1 फीसदी का संकुचन हुआ, वहीं 2020-21 में भारत की जीडीपी में 6.6 फीसदी की कमी हुई। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था में उसके बाद सुधार हुआ है, लेकिन नियमित, अनौपचारिक, औपचारिक नौकरियों, मजदूरी दर और गरीबों की आजीविका पर जो हानिकारक असर पड़े, उनमें सुधार नहीं हुआ है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब लोग और भी गरीब। लोग वास्तविक वेतन वृद्धि का अनुभव नहीं कर पा रहे हैं।

आर्थिक विकास और मानव विकास के बीच पारस्परिक संबंध होता है। हाल के शोध में हमने पाया कि भारत में जो राज्य 1993 से 2018 के बीच प्रांतीय जीडीपी की उच्च वृद्धि को बनाए रख सके, वे मानव विकास में अपेक्षाकृत उन्नत थे। उनकी जीडीपी प्रतिवर्ष सात फीसदी से अधिक दर से बढ़ी। इनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा

शामिल हैं। ये राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों पर जीडीपी का काफी अधिक हिस्सा खर्च कर रहे थे, जो उनके स्वास्थ्य और शिक्षा परिणाम संकेतकों से परिलक्षित होता है।

इसके विपरीत, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पिछले ढाई दशकों के दौरान औसतन मात्र पांच फीसदी प्रति वर्ष जीडीपी की वृद्धि दर्ज की गई। ये वे राज्य हैं, जहां गरीबी, कुपोषण और शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि इन पिछड़े राज्यों में गंभीर रूप से नाटे बच्चों का अनुपात बढ़ गया है। इसके अलावा, इन राज्यों में स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष भी बहुत निम्न स्तर का है, जिसमें पिछले दो दशकों के दौरान ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। इनमें गरीबी का अनुपात भी दक्षिणी राज्यों से अधिक है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि गरीबी की कमी से न केवल लोगों के जीवन स्तर में सुधार होता है, बल्कि उनके परिवार के खर्च करने की क्षमता भी बढ़ती है। इसलिए गरीबी में कमी से वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ती है, जिससे उत्पादन में वृद्धि की संभावना होती है। विकास दर बढ़ने से शिक्षा और स्वास्थ्य पर सार्वजनिक और निजी खर्च बढ़ता है। जिसका मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बढ़ती आय परिवारों को स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर खर्च करने में सक्षम बनाती है। प्रत्येक राज्य सरकार को आर्थिक विकास, गरीबी में कमी, और मानव क्षमताओं में सुधार (शिक्षा और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार) के बीच इन तीन-तरफा संबंधों के बारे में गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है। हमारा शोध साबित करता है कि गरीबी में कमी और मानव विकास में सुधार, दोनों ही भारतीय राज्यों में आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए पूर्व शर्त हैं, क्योंकि गरीबी में कमी के साथ बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य के अलावा आर्थिक विकास का एक फीडबैक लूप है। यही कारण है कि दक्षिण के कुछ राज्यों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर औसतन सात फीसदी सालाना के करीब दर्ज करके लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कई अन्य राज्य पांच प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखने में भी पूरी तरह विफल रहे हैं।

क्या सोमनाथ चटर्जी जैसा हाल होगा हरिवंश का?

उमेश चतुर्वेदी

इतिहास के बारे में कहावत है, वह खुद को दोहराता है। तो क्या एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराने की तैयारी में है? संसद के नए भवन के उद्घाटन के मौके पर जनता दल यूनाइटेड सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह के शामिल होने को उनका दल पचा नहीं पा रहा है। ठीक चौदह साल दस महीने पहले की तरह की स्थितियां बनती दिख रही हैं। तब सोमनाथ चटर्जी के रूख को सिद्धांतवाद की कड़वी चाशनी में लगातार डूबा रहने वाला उनका दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी नहीं पचा पाया था। यह बात और है कि उन दिनों प्रकाश करात की अगुआई वाली मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने सोमनाथ चटर्जी को अगले ही दिन दल की प्राथमिक सदस्यता से निकाल बाहर किया था। हरिवंश पर उनका दल हमलावर तो है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। साल 2008 में डॉक्टर मनमोहन सिंह की अगुआई वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार ने तब अमेरिका से परमाणु समझौता किया था। इसके लागू होने के बाद भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की गति तेज होने वाली थी। लेकिन अपने विचारधारा के बाड़े में बंद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी अमेरिका के साथ भारत सरकार का सहयोग स्वीकार नहीं कर पा रही थी। उसके गुस्से की वजह यह रही कि उन दिनों कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार को बाहर से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी समर्थन दे रही थी। एक साक्षात्कार में एक बार मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव प्रकाश करात ने छुट्टियां बिताने की पसंदीदा जगहों में यूरोप और अमेरिका की ही कुछ जगहों को बताया था। लेकिन उसी अमेरिका का परमाणु मुद्दे पर समर्थन प्रकाश करात को नहीं पचा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की अगुआई में वाममोर्चे ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन से समर्थन वापस ले लिया था। इससे तत्कालीन सरकार अल्पमत में आ गई थी। तब भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाले तत्कालीन विपक्ष ने मनमोहन सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। जिस पर 22 जुलाई 2008 को लोकसभा में चर्चा हुई। इस अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में कम्युनिस्ट पार्टियों ने अपने सांसदों के लिए ह्विप जारी कर दिया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद होने के नाते सोमनाथ चटर्जी पर भी वह ह्विप लागू होता था। लेकिन सोमनाथ चटर्जी ने कह दिया था कि चूंकि वे सदन के अध्यक्ष के पद पर हैं, लिहाजा उन पर ह्विप लागू नहीं होता। उन्होंने सदन में तटस्थ रहने का फैसला किया। यह बात और है कि समाजवादी पार्टी के सहयोग से मनमोहन सरकार बच गई। लेकिन मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने अपने दिग्गज नेता के तर्कों को स्वीकार नहीं किया। अगले ही दिन यानी 23 जुलाई 2008 को पार्टी ने सोमनाथ चटर्जी को पार्टी से निकाल दिया था। अब हरिवंश नारायण से उनके पार्टी की नाराजगी को देखते हैं। नई संसद के उद्घाटन का जनता दल यूनाइटेड ने बहिष्कार किया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की तरह जेडीयू भी उम्मीद लगाए बैठा था कि उसके सांसद होने के नाते हरिवंश कार्यक्रम के बहिष्कार में साथ देंगे। इसकी वजह यह रही कि पत्रकार से राजनेता बने हरिवंश को संसद के उच्च सदन राज्यसभा मे जेडीयू ने ही पहुंचाया है। लेकिन हरिवंश ने सोमनाथ चटर्जी की तरह खुद को उपसभापति के तौर पर तटस्थ ही माना। वे ना सिर्फ उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए, बल्कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की ओर से आए संदेशों को उन्होंने ही कार्यक्रम में पढ़ा। हरिवंश के कार्यक्रम में शामिल होने को जनता दल यू अपनी नाफरमानी मान रहा है। जनता दल यू के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन और पार्टी के सुप्रीमो नीतीश कुमार ने अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कहा है। लेकिन नीतीश के नजदीकी और पार्टी के प्रवक्ता नीरज कुमार खुलकर हरिवंश के खिलाफ बोल रहे हैं। संसद के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के चलते हरिवंश की लानत-मलामत करते हुए नीरज ने कहा है कि उन पर फैसला पार्टी आलाकमान लेगा। लगता नहीं कि बिना आलाकमान की सहमति और इशारे के नीरज उपसभापति हरिवंश विरोधी बयान दे रहे हैं। अगर घटनाक्रम में बड़ा बदलाव ना हो तो आने वाले दिनों में जेडीयू हरिवंश के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई कर सकता है।

अब कांग्रेस ही मुस्लिम लीग है

संजय तिवारी

उस समय ब्रिटिश राज की ओर से ऊपरी तौर पर यही कहा गया था कि बंगाल की 7.8 करोड़ की भारी भरकम आबादी है। यहां प्रशासन को संचालित करने में कठिनाई आ रही है। इसलिए 1905 में लार्ड कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन को मंजूरी दे दी गयी। ईस्ट बेंगाल और वेस्ट बेंगाल। लेकिन इसके अघोषित कारण शायद कुछ और ही रहे होंगे। बंगाल विभाजन की जो रुपरेखा सामने रखी गयी उसमें ईस्ट बंगाल मुस्लिम बहुल हो गया जबकि वेस्ट बेंगाल हिन्दू बहुल बन गया। मुस्लिम बहुल बेंगाल का केन्द्र ढाका बना और हिन्दू बहुल बेंगाल का केन्द्र बना कलकत्ता। उस समय ढाका के नवाब थे सर ख्वाजा सलीमुल्ला बहादुर। नवाब साहब ने इस बंटवारे को मुस्लिम बहुल राज्य का स्वप्न साकार करने के लिए किया। उनके समर्थन में बंगाल की मुस्लिम जनसंख्या आ गयी। जबकि इधर कलकत्ता में हिन्दुओं द्वारा बेंगाल के इस विभाजन का पुरजोर विरोध शुरु हुआ।

बंगाल विभाजन के गर्भ से उसी साल भारतीय इतिहास के दो महत्वपूर्ण आंदोलनों का भी जन्म हुआ। पहला बंगाल विभाजन का विरोध करने वाला स्वदेशी आंदोलन और दूसरा बंगाल विभाजन का समर्थन करने वाला मोहम्मडन प्रोविन्सियल यूनियन। पहले आंदोलन का नेतृत्व कांग्रेस कर रही थी जबकि मोहम्मडन प्रोविन्सियल यूनियन के अभियान की कमान नवाब सर ख्वाजा सलीमुल्लाह बहादुर के हाथ में थी। ईस्ट बेंगाल में नवाब बहादुर ने जगह जगह %मोहम्मडन प्रोविन्सि% के समर्थन में जलसे आयोजित करवाये। जबकि वेस्ट बेंगाल में स्वदेशी आंदोलन के रूप में नेशनलिस्ट मूवमेन्ट ने जन्म लिया जिसमें कांग्रेसी नेता बढ़ चढ़कर शामिल होते थे। अक्टूबर 1906 में नवाब सलीमुल्ला बहादुर ने देश भर के मुस्लिम लीडरों को एक पत्र लिखा जिसमें उन्होंने उनसे अखिल भारतीय स्तर पर मुस्लिम हितों की राजनीति करने वाले दल की स्थापना की गुहार लगायी थी। उन्होंने मुसलमानों के लिए अलग दल का नाम भी सुझाया था अखिल भारतीय मुस्लिम महासंघ। अलीगढ मुस्लिम युनिवर्सिटी से निकले नेताओं को यह बात पसंद आ गयी। उन्होंने नवाब साहब से निवेदन किया कि अगर वो उनके बीसवें शिक्षा कांफ्रेस को आयोजित करने का खर्चा उठा लें तो इसे वह ढाका में नवाब साहब के महल में ही करना चाहेंगे। नवाब साहब ने खर्चा उठा लिया और अलीगढ मुस्लिम युनिवर्सिटी के शिक्षाविदों की 20वीं बैठक नवाब साहब के महल शाहबाग में शुरु हो गयी।

27 से 30 दिसंबर तक चार दिनों तक यह बैठक चली। बैठक के आखिरी दिन यानी 30 दिसंबर को आल इंडिया मुस्लिम लीग का गठन हो गया। आगा खान तृतीय को इसका अध्यक्ष जबकि नवाब सलीमुल्लाह को इसका उपाध्यक्ष बनाया गया। उनके नेतृत्व में एक कमेटी भी बनायी गयी जिसे मुस्लिम लीग का संविधान लिखना था। इस तरह बंगाल विभाजन से जो पहला आंदोलन निकला वह अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के रूप में सामने आया जबकि दूसरा आंदोलन राष्ट्रवाद और स्वदेशी की पुकार लगाने लगा। बंगाल के स्वदेशी आंदोलन से पहली बार भारत माता का एक चित्र सामने आया जिसे बंगाल के महान चित्रकार अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने बनाया था। कहते हैं कि अबनीन्द्रनाथ टैगोर की यह भारत माता बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा वर्णित भारत माता से प्रेरित थी। भारत माता के इस चित्र में उन्होंने भगवा कपड़ा पहन रखा है और उनके चार हाथ है। एक हाथ में सफेद कपड़ा यानि सूत कपास है, एक हाथ में वैदिक पांडुलिपी है, एक हाथ में रुद्राक्ष है और एक हाथ में धान के कुछ पौधे हैं। भारत माता कमल के आसन पर खड़ी हैं और उनकी मांग में भरपूर सिन्दूर लगा है। स्वाभाविक है भारत माता का यह चित्र प्रतीकात्मक रूप से भारत के सन्यासी और गृहस्थ दोनों का प्रतिनिधित्व कर रहा था। भारत माता का यही चित्र स्वदेशी आंदोलन का प्राण बना। एक ओर जहां यह चित्र धर्म, आध्यात्म रूपी विरासत की ओर संकेत कर रहा था वहीं दूसरी ओर उद्योग और कृषि में आत्मनिर्भरता का संदेश भी दे रहा था। स्वदेशी आंदोलन इतना सफल रहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस ने इसका नेतृत्व अपने हाथ में ले लिया। महात्मा गांधी के उदय के बाद तो स्वदेशी और स्वावलंबन ही भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का मुख्य आकर्षण बन गया।

हालांकि कड़े जन विरोध के कारण 1911 में बंगाल विभाजन निरस्त हो गया लेकिन लार्ड कर्जन ने हिन्दू मुस्लिम का जो बीज बोया था अभी उसका पौधा बनना बाकी था। कांग्रेस के बढ़ते प्रभाव के कारण मुस्लिम लीग को बहुत महत्व तो नहीं मिला लेकिन 1930 में अल्लामा इकबाल ने मुस्लिम लीग को एक ऐसा विचार दे दिया जो 1947 भारत के विभाजन का आधार बना। वह विचार था अलग मुस्लिम राज्य का जहां मुसलमान स्वतंत्र रूप से इस्लामिक शरीयत को फॉलो कर सकें। ऐसा करके वो न केवल हिन्दू कांग्रेस बल्कि क्रिश्चियन ब्रिटिशर्स को भी यह दिखाना चाहते थे कि इस्लाम में बेहतर राज्य व्यवस्था का सिद्धांत निहित है बस उसे साकार करने के लिए उसे जमीन का एक टुकड़ा चाहिए। 1930 से 1947 के बीच अखिल भारतीय कांग्रेस को सबसे बड़ी चुनौती किसी से मिली तो वह मुस्लिम लीग ही थी। गठित होने के तीन साल बाद ही 1908 में उसने मुस्लिमों के लिए सेपरेट इलेक्ट्रोरेट की मांग कर दी। ब्रिटिश हुकूमत ने भी इस पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया। 1919 में खिलाफत मूवमेन्ट को मुस्लिम लीग ने बढ़ चढ़कर चलाया और कांग्रेस के गांधी का भी समर्थन प्राप्त कर लिया। मुस्लिम लीग को उस समय तक अलग इस्लामिक राज्य तो नहीं स्थापित करना था लेकिन मुसलमानों का अधिक से अधिक हित सधे उनके सारे प्रयास इसी दिशा में हो रहे थे। देश के स्वतंत्रता आंदोलन से अधिक महत्वपूर्ण उनके लिए मुस्लिम हित और इस्लामिक सिद्धातों को लागू करना था।

हालांकि 1930 में इलाहाबाद वाले जलसे के बाद उन्होंने अलग इस्लामिक राज्य की मुहिम शुरु कर दी जिसका सबसे अधिक नुकसान कांग्रेस की छवि को ही हुआ। और जब पुराने कांग्रेसी मोहम्मद अली जिन्ना का साथ मिल गया तो फिर कहना ही क्या था। मुस्लिम लीग अब खुलकर अपने इस्लामिक एजंडे पर आ गया और 1947 में स्वतंत्रता भारत के तीन टुकड़े में आयी। पश्चिमी पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान और बीच में बचा हिन्दोस्तान। भारत विभाजन के साथ मुस्लिम लीग का भी तीन हिस्से में विभाजन हो गया। टू नेशन थ्योरी के रथ पर सवार होकर विजेता भाव से मूल मुस्लिम लीग 1947 में पाकिस्तान चला गया जहां 1958 के मार्शल लॉ में फौजी शासक अय्यूब खान ने मुस्लिम लीग को बैन कर दिया। इसका दूसरा धड़ा अवामी लीग के रूप में पूर्वी पाकिस्तान में सक्रिय हो गया जिसका नेतृत्व सोहरावर्दी के हाथ में था। तीसरा धड़ा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के रूप में हिन्दोस्तान में रह गया जिसका नेतृत्व एम मोहम्मद इस्माइल के हाथ में आया जो उस समय सूदूर दक्षिण में मद्रास मुस्लिम लीग के प्रेसिडेन्ट थे। भारत वाले इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को उत्तर भारत में कोई समर्थन तो नहीं मिला लेकिन तमिलनाडु और केरल में उसने अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाकर रखा। आज के दिन आईयूएमएल के पास लोकसभा में तीन सांसद, राज्यसभा में एक तथा केरल में 15 विधायक हैं। वह केरल में उसी कांग्रेस की साझीदार है जिसके विरोध में जाकर कभी उसने टू नेशन थ्योरी को आगे बढ़ाया था।

अब सवाल यह है कि अगर 1947 में भारत का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग तीन हिस्से में बंट गयी तो फिर उस अखिल भारतीय कांग्रेस का क्या हुआ जिसके विरोध में मुस्लिम लीग ने अपनी बंटवारे की मुहिम चलाई थी। स्वतंत्रता के 75 साल बाद कांग्रेस पार्टी आज उसी जगह आकर खड़ी है जहां से मुस्लिम लीग की शुरुआत हुई थी। कांग्रेस ने शायद ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह कोई नयी मुस्लिम लीग बनते हुए नहीं देखना चाहती थी। इसलिए उनके नेताओं ने रणनीतिक रूप से कांग्रेस को ही मुस्लिम लीग के रूप में परिवर्तित कर दिया। जैसे 1905 में मुस्लिम हित मुस्लिम लीग का एकमात्र उद्देश्य था जबकि कांग्रेस पर हिन्दूवादी पार्टी का ठप्पा लगा दिया गया था उसी तरह अब कांग्रेस सिर्फ मुस्लिम हित की बात कर रही है जबकि उसके बहुत बाद में पैदा हुई एक दूसरी राजनीतिक पार्टी पर हिन्दूवादी होने का ठप्पा लगा हुआ है। यह ठप्पा कोई और नहीं बल्कि वही कांग्रेस लगा रही है जिस पर कभी मुस्लिम लीग ने हिन्दूवादी होने का ठप्पा लगाया था। यही वह एकमात्र बुनियादी परिवर्तन है जिसके कारण आज कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को इंडियन युनियन मुस्लिम लीग सेकुलर पार्टी नजर आ रही है और आरएसएस बीजेपी कम्युनल संगठन।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

गरुडोपनिषद्

यह उपनिषद् अथर्ववेदीय परम्परा के अन्तर्गत है। इस उपनिषद् में ब्रह्मा से लेकर महर्षि भरद्वाज तक की गुरु-शिष्य परम्परा का उल्लेख करते हुए गारुड़ विद्या का विवेचन किया गया है। गारुड़ विद्या का तात्पर्य विष निवारण- विद्या से है। सर्प से लेकर जितने भी जन्तु दंशित करके विष वमन द्वारा व्यक्ति को कष्ट पहुँचाते हैं, उन सबके विष निवारण की प्रक्रिया इस उपनिषद् में उपनिबद्ध है। इस उपनिषद् में सर्वप्रथम गारुड़ विद्या के सम्प्रदाय अर्थात् इस विद्या की गुरु-शिष्य परम्परा का उल्लेख है। तत्पश्चात् इस गारुड़ विद्या के ऋषि देवता छन्द-विनियोग आदि का उल्लेख है। अन्त में गरुड़ माला-मन्त्र आदि विवरण प्रस्तुत करते हुए उपनिषद् का समापन किया गया है।

अब गारूड़ ब्रह्मविद्या का वर्णन करते हैं, जिस ब्रह्मविद्या को भगवान् ब्रह्मा ने नारद से कहा, नारद ने बृहत्सेन से कहा, बृहत्सेन ने इन्द्र से कहा, इन्द्र ने भरद्वाज से कहा और भरद्वाज ने इस विद्या का शिक्षण जीवत्काम (ब्रह्म प्राप्ति द्वारा जीवन धन्य बनाने की इच्छा वाले) शिष्यों को प्रदान किया। इस श्रीगरुड़ ब्रह्मविद्या के ऋषि ब्रह्मा, छन्द-गायत्री, श्रीभगवान् महागरुड़ देवता हैं। श्री महागरुड़ की प्रसन्नता के लिए तथा मेरे समस्त विषों के विनाशार्थ जप में इसका विनियोग किया जाता है। अब नीचे लिखे मन्त्रों से अङ्गन्यास की क्रिया सम्पन्न करें? नमो भगवते अङ्गुष्ठाभ्यां नमः श्रीमहागरुडाय तर्जनीभ्यां स्वाहा पक्षीन्द्राय -मध्यमाभ्यां वषट्।श्रीविष्णुवल्लभाय अनामिकाभ्यां हुम्।

त्रैलोक्यपरिपूजिताय कनिष्ठिकाभ्यां वौषट्। उग्रभयंकरकालानलरूपाय करतलकरपृष्ठाभ्यां फट्। एवं हृदयादिन्यासः। नमो .अङ्गुष्ठाभ्यां नमः। (दोनों हाथों की तर्जनी अँगुलियों से दोनों अँगूठों का स्पर्श) श्री महागरुडाय .. तर्जनीभ्यां स्वाहा (दोनों हाथों के अँगूठों से दोनों तर्जनी अङ्गुलियों का स्पर्श) पक्षीन्द्राय ..मध्यमाभ्यां वषट्। (अँगूठों से मध्यमा अँगुलियों का स्पर्श) श्री विष्णुभा ..... अनामिकाभ्यां हुम्। (अँगूठों से अनामिका अंगुलियों का स्पर्श) त्रैलोक्यपरिपूजिताय कनिष्ठिकाभ्यां वौषट् (औं से कनिष्ठिका अंगुलियों का स्पर्श) उग्रभयंकर. .करतलकरपृष्ठाभ्यां फट्।

क्रमशः ...

पौधों की पूजा होती है और प्रसाद में बाँटते हैं बीज

चंद्रभूषण तिवारी

मेरा जन्म देवरिया के एक गाँव में साधारण परिवार में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा की पढ़ाई के लिए किताब-कापियों की जरूरत में बाजार में नीम की नियोरी बेचकर पूरा करता था। अ से अमरूद और आ से आम की पढ़ाई मुझे पेड़ों के कल्पना-लोक में ले जाती थी। आम की गुठली से निकले पौधे और उनके फल देने की प्रक्रिया मुझे बचपन से ही रोमांचित करती थी। बाल सभा से प्रेरित होकर मैंने स्कूली जीवन में ही अपने से कमजोर साथियों की मदद भी शुरू कर दी। बाल सभा की इन्हीं शिक्षाओं के कारण ही मैंने लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान, शहर के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले मजदूरों के बच्चों को पढ़ाना जारी रखा।

मैं गरीब परिवार के उन बच्चों को जरूरत की दूसरी चीजें भी देता था। बीएड करने के बाद मुझे ओडिशा के केंद्रीय विद्यालय में शिक्षक की नौकरी मिल गई। 1995 में जब मैं नौकरी कर रहा था, वह साल मेरी जिंदगी के लिए निर्णायक साबित हुआ। लखनऊ के गरीब बच्चों ने मुझे चिट्ठी लिखी-अंकल आप कब आओगे, खिलौने और मिठाई कब लाओगे। किताबें कब मिलेगी। पत्र पढ़ने के बाद मैंने नौकरी छोड़ लखनऊ जाने का फैसला कर लिया। मेरे जीवन का असली संघर्ष नौकरी छोड़ने के बाद शुरु हुआ। सबसे पहले मैंने उन बच्चों से मुलाकत की, जिन्होंने मुझे खत लिखा था और उसके बाद अपने जीवन को पूरी तरह से बच्चों और वृक्षों को समर्पित कर दिया।

मैंने लखनऊ में बच्चों के लिए छह स्कूल खोले हैं। मैं गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देता हूँ। हर घर से दान लेने के बदले वहाँ एक वृक्ष लगाकर रिश्ता जोड़ने की मुहिम शुरू की, जिसकी वजह से आज लोग मुझे पेड़ वाले बाबा के नाम से पुकारते हैं। मैं स्कूलों में जा-जाकर गरीब बच्चों को शिक्षा देने के बदले में उनसे दस पौधे लगाने का वायदा लेता हूँ। एक डिग्री कॉलेज में लेक्चरार मेरी पत्नी मेरे हर काम में मदद करती हैं। मैंने 26 जनरवरी, 2006 से 15 अगस्त, 2015 तक लखनऊ और देश के दूसरे शहरों में जाकर एक लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य पूरा किया। मैं इस मिशन में जब भी किसी शहर जाता हूँ, तो वहाँ बच्चों को अपने सगे-संबंधियों को पौधे लगाने की अपील करते हुए चिट्ठी लिखने के लिए प्रेरित भी करता हूँ। चूँकि धार्मिक मान्यताओं का असर समाज में व्यापक रूप से फैला है, इसलिए मैंने अपने पर्यावरण प्रेम को इसी से जोड़ा। मैं प्रति वर्ष अपने गृह जनपद के गाँव में जाकर दुर्गा मंदिर में पौधों का भंडारा भी करता हूँ। इस भंडारे के बाद में लोगों को प्रसाद के रूप में पौधे बाँटता हूँ। इसके साथ में हरा हरि व्रत कथा के नए प्रयोग पर भी काम कर रहा हूँ। इस कथा में पौधों की पूजा करके बीज को प्रसाद की तरह बाँटता हूँ। मैंने पौधों को अपनी बेटी की संज्ञा दी है। मैं जिसको भी पौधे देता हूँ, उसे अपना समधी समझाता हूँ। रिश्तों की इस श्रृंखला में मेरे अनगिनत संबंधी और प्रतिरूप तैयार हो चुके हैं। मैंने अब दस लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। लोग सोचते हैं कि मेरे पास इतने पौधे आते कहाँ से हैं? दरअसल ये पौधे रूपी बेटियों से लौटाए गए मेरे नाती-पोते की विरासत हैं, जो हर दिन मेरे परिवार की संख्या बढ़ा रहे हैं।

प्रचंड की यात्रा से मजबूत हुआ भारत नेपाल के बीच रिश्ता

आलोक कुमार

दिसंबर 2022 में नेपाल के प्रधानमंत्री बने प्रचंड का यह भारत दौरा सात माह से लंबित था। लेकिन राजनयिक और कूटनीतिक स्तर पर हुई तैयारियों के बाद आखिरकार 31 मई को नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% भारत पहुंचे। 1 जून को यहां उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की और दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण आर्थिक समझौते भी हुए। लेकिन भारत आने से पहले प्रचंड ने सिर्फ आर्थिक समझौतो की तैयारी ही नहीं की थी। उन्होंने सामाजिक रूप से खड़े हुए सवालों को भी हल करने का प्रयास किया है। भारत दौरे से चंद घंटे पहले राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल के कार्यालय से उस नागरिकता संशोधन कानून पर स्वीकृति हासिल कर ली जिसे लेकर नेपाल के वामपंथी नेताओं को आपत्ति थी। नेपाल नागरिकता संशोधन कानून के लागू होने से मधेशियों को नेपाल से रोटी बेटी का रिश्ता रखने में बहुत दिक्कत आ रही थी।

ओली की सरकार में यह प्रावधान किया गया था कि अगर कोई विदेशी मूल की महिला (जिसमें भारत भी शामिल है) विवाह करके नेपाल आती है तो उसको नेपाल के नागरिक अधिकार नहीं दिये जाएंगे। इस कानून की वजह से भारत और नेपाल के नागरिकों के बीच एक डेडलॉक जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। अब प्रचंड की पहल पर नागरिकता कानून में संशोधन लागू होने के बाद सबसे बड़ी राहत मधेशी समाज को मिलेगी। अब भारत की किसी लड़की का नेपाल में व्याह होता है तो उसे तत्काल नागरिकता मिल सकेगी। इससे पड़ोसी चीन की परेशानी भी बढ़ेगी क्योंकि इससे नेपाल में प्रवासित तिब्बतियों की आबादी को भी बड़ी राहत मिलने जा रही है।

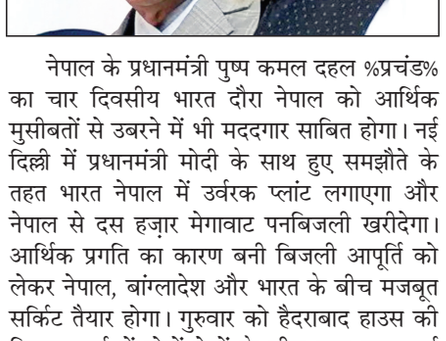

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% का चार दिवसीय भारत दौरा नेपाल को आर्थिक मुसीबतों से उबरने में भी मददगार साबित होगा। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुए समझौते के तहत भारत नेपाल में उर्वरक प्लांट लगाएगा और नेपाल से दस हज़ार मेगावाट पनबिजली खरीदेगा। आर्थिक प्रगति का कारण बनी बिजली आपूर्ति को लेकर नेपाल, बांग्लादेश और भारत के बीच मजबूत सर्किट तैयार होगा। गुरुवार को हैदराबाद हाउस की शिखर वार्ता में दोनों देशों के बीच सात महत्वपूर्ण समझौतों को मूर्तरूप दिया गया।

पहला, नेपाल से बिजली की खरीदारी, दूसरा, उत्तर प्रदेश के बहराइच के रूपईडीहा और नेपाल के नेपालगंज स्थित एकीकृत चेकपोस्ट का शुभारंभ हुआ। तीसरा, सोनौली और नेपाल के भैरहवा में 500 करोड़ रुपए की लागत से 47 हेक्टेयर भूमि में तैयार हुआ एकीकृत चेकपोस्ट का निर्माण। इस चेकपोस्ट से दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को नया आयाम मिलेगा। इससे खुले बॉर्डर की वजह से होने वाली राजस्व की चोरी को खत्म करने में दोनों देशों को मदद मिलेगी। चौथा, बिहार के अररिया जिले के बथनाहा से नेपाल के कस्टम यार्ड के लिए 43 बोगियों की मालगाड़ी से 2750 टन लोहा भेजकर सड़क परिवहन के विकल्प को खड़ा कर लिया गया। नेपाल अपने आयात का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा भारत से लेता है। पांचवा, परिवहन की सुगमता के लिए दोनों नेताओं ने जयनगर बर्दीबास रूट पर कुर्ता से बैजलपुरा तक 18 किलोमीटर की यात्री रेलसेवा का उद्घाटन किया। इससे भविष्य में नेपाल तक राजधानी जैसी ट्रेनों की पहुंच बढ़ाने में मदद मिलने वाली है। छठा, मोतिहारी अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन के तहत दूसरे चरण की सुविधाओं का आरंभ हुआ। सातवां, गोरखपुर भूतवाल ट्रांशमिशन लाइन के भारतीय हिस्से की शुरुआत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे दोनों देशों की आर्थिक कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी।

2014 में प्रधानमंत्री बनने के तीन माह के भीतर ही काठमांडू पहुंच अपने चर्चित दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रयास का आगाज किया था वह प्रचंड के मौजूदा दौरे से प्रभावी होता नज़र आ रहा है। नई दिल्ली में एक जून को हुई द्विपक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाते हुए कहा कि तब उन्होंने हितरक्षक समझौते की बात कही थी वह अब नौ वर्ष बाद अंजाम तक पहुंच रहा है।

आर्थिक हितरक्षक समझौतों के साथ ही नेपाल के प्रधानमंत्री व पूर्व माओवादी नेता प्रचंड का उज्जैन जाकर महाकाल की पूजा अर्चना करने का निर्णय महत्वपूर्ण है। नेपाल में राजशाही के उन्मूलन के बाद से हिंदू बहुल पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में ईसाई मिशनरियों ने तेज गति से विस्तार पाया है। हिन्दुओं का धर्मांतरण भी बढ़ा है। इससे नेपाल की विशाल हिन्दू आबादी में आंतरिक क्षोभ है। नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की महाकाल में पूजा अर्चना उसे जरूर कुछ शांत करेगा। यह उन साम्यवादी नेताओं के लिए सबक भी है जो धार्मिक व्यवहार को राजनीति से अलग मानते रहे हैं और विचारधारा के आधार पर धार्मिक आचरण को पाखंड बताकर जमकर विरोध करते रहे हैं। भूमिगत रहकर दस साल तक नेपाल में जनयुद्ध के नायक रहे प्रचंड की पहचान साम्यवादी हिंसा के प्रणेता की रही है। उनके खिलाफ अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार न्यायालय में 17 हज़ार नेपालियों की नृशंस हत्या का मुकदमा चलाने की मांग होती रही है। लेकिन अब वह बदले परिदृश्य में हैं। वो अपने देश की हिन्दू जनता का प्रतिनिधित्व करते दिखाई दे रहे हैं। उनका भारतीय माओवादी नेताओं से भी करीबी रिश्ता रहा है, लिहाजा उनका बदला आचरण तमाम साम्यवादियों के लिए सबक साबित हो सकता है। हालांकि नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड को धार्मिक पहचान से खुद को जोड़ने में कभी हिचक नहीं रही। साम्यवादी नेता याद करते हैं कि भूमिगत आंदोलन के दौरान भी उन्होंने लखनऊ के लीला होटल में चोरी छिपे दोनों बेटियों का विवाह किया था। कन्यादान में भी पूरे धार्मिक विधान का परिपालन किया गया था। नेपाल में वो मंदिर भी जाते हैं और पूजा पाठ करते हुए भी दिखते हैं। लेकिन भारत यात्रा के दौरान महाकाल की यात्रा निश्चय ही दोनों देशों की जनता को संदेश है। प्रचंड के भीतर आये इस बदलाव से समान सांस्कृतिक संबंधों वाले दो देशों में प्रगाढ़ता आयेगी। लंबे समय से नेपाल आर्थिक मुश्किल में है। नेपाली बाज़ार से बड़ी मात्रा में मुद्रा के गुम हो जाने की रिपोर्ट चिंता का सबब हैं। ऐसे में दोनों देशों के राजनयिकों की सधी तैयारियों के बीच पूरा हो रहा यह कूटनीतिक दौरा नेपाल को आर्थिक मजबूती प्रदान कर सकता है। दोनों देशों के बीच बेहतर संबंधों के भविष्य के लिए प्रचंड का यह दौरा मील का पत्थर साबित होता नज़र आ रहा है। पिछली बार 2016 में जब वो बतौर प्रधानमंत्री भारत दौरे पर आये थे तब नेपाल में भूकंप के बाद पुनर्निर्माण का काम चल रहा था। उस समय भारत ने 160 मिलियन डॉलर की मदद देकर नेपाल से जो अपनापन दिखाया था, प्रचंड का यह ताजा दौरा दोनों ओर से लेन देन का संतुलन साधनेवाला दौरा साबित होगा, इसमें संदेह नहीं।

बापू की दिनचर्या

स्वाध्याय और लेखन (भाग-5)

गतांक से आगे...

बापू ने यह भी कहा कि पैरों से गोली चलाई जा सकती है तो कोई कारण नहीं कि कलम नहीं चल सकती और चरखा नहीं चलाया जा सकता। हाँ, पैरों से पूनी जरूर नहीं खींची जा सकती, जो खेद का विषय है। बापू पेंसिल से पत्रादि कम लिखते। यों, सादी पेंसिल का सेवाग्राम में उपयोग करते। छोटे-से-छोटे कागज पर लिखने में उन्हें संकोच नहीं होता। यरवदा जेल से लिखे गए उनके हजारों पत्र छोटे-छोटे पुरजों पर मिलते हैं। किफायत की दृष्टि से अधिकतर वे पोस्टकार्ड का उपयोग करते। बाहर से आए हुए एक तरफ सादे या कुछ सादे पत्रों का उपयोग वे पत्र या लेख आदि लिखने में करते। उनकी लेखन सामग्री में ऐसे कागजों का पुलिंदा हमेशा रहता। इसी प्रकार, डाक में आनेवाले छोटे-बड़े लिफाफों को उलटवाकर वे पुनः उनका उपयोग करते। जेल में सरदार पटेल के जिम्मे उन्होंने यह काम सौंपा। आश्रम में भी उनके साथ रहनेवाली कुछ बहनें यह कार्य किया करतीं। चिट्ठियों में आनेवाली पिन तथा पार्सलों और पैकेटों के धागे, डोरे और सुतली आदि को बिना काटे सावधानी से खोलकर मोटे कागज या दफ्ती आदि पर लपेटकर कलम रखने की अपनी छोटी पेटी में वे बहुत सँभालकर रखते और समय पर उनका उपयोग करते। एक बार उन्होंने कहा था कि उन्होंने पिन शायद ही कभी खरीदी होगी। किफायतसारी की यह आदत उनके जीवन के प्रायः सभी प्रसंगों में विद्यमान थी फिजूलखर्ची वा बरबादी देखकर उनको बहुत क्लेश होता। लोग अक्सर अपने पत्रों में निजी या व्यक्तिगत बातें लिखते और बापू ध्यान चूक जाने से अपने नियमानुसार ऐसे पत्रों के पीछे दूसरों को पत्र लिख दिया करते। एक बार एक सज्जन ने %बांबे क्रानिकल% के संपादक ब्रेलवीजी के विपक्ष में आक्षेप एवं निंदापूर्ण पत्र बापू को भेजा। बापू ने संयोगवश उसी के पीछे ब्रेलवीजी को पत्र लिख दिया। इसी कारण, बाद के दिनों में सरदार पटेल बापू से अपने महत्त्वपूर्ण पत्र वापस मँगवा लिया करते। लिखते-लिखते बापू कभी-कभी इतने थक जाते कि शरीर काम करने से इनकार कर देता। सन् 1919 में उन्होंने अमृतसर-कांड की रिपोर्ट लिखी। उन दिनों रात-दिन उनका लिखने का काम चलता। वे रात में मुश्किल से दो-ढाई घंटे सोते।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

बी.टी. रोड़ नवीनीकरण का विधायक महापौर ने किया भूमिपूजन

चिरमिरी। चिरमिरी नगर पालिक निगम में विकास की श्रीखला लगातार देते हुए शनिवार को मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल, चिरमिरी नगर निगम की महापौर कंचन जायसवाल ने 47.00 लाख की लागत से तैयार बी.टी. रोड़ नवीनीकरण का भूमिपूजन कर जनता को समर्पित किये। भूमिपूजन कार्यक्रम में चिरमिरी के ह्रदय स्थल हल्दीबाड़ी में मुख्य अतिथि विधायक मनेन्द्रगढ़ डॉ. विनय जायसवाल, महापौर कंचन जायसवाल, सभापति गायत्री बिरहा, नगर निगम मेयर इन काउंसिल के सदस्य, पार्षद, एल्डरमैन व आमजनमानस उपस्थित रहे। गौरतलब है, की वार्ड क्रमांक 15, 16, व 17 में भुरकुंडी नाका से 06 नंबर गोलाई तक एवं वार्ड क्रमांक 10, 14,15,16 व 17 में 06 नंबर गोलाई से नाहर राय पेट्रोल पंप तक, हल्दीबाड़ी में मुख्यमार्ग का लगभग 17.00 अधोसंरचना मद से बी.टी. रोड़ नवीनीकरण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर जायसवाल ने बताया कि विगत कार्यकाल में जो कार्य नही हुए वे सभी कार्य कांग्रेस के कार्यकाल में पूर्ण हो रहे है, चाहे वह सड़क हो, शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर विकास की गंगा बह रही है, जिससे आमजनों को बेहतर सुविधा मुहैया हो रही है, नगर निगम चिरमिरी का कोई भी क्षेत्र डामरीकरण सड़क से अछूता नही रहा है ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महापौर ने मुक्तिधाम परिसर में किया पौधारोपण

चिरमिरी। पर्यावरण संतुलन बनाये रखने व

प्राकृतिक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम चिरमिरी के बड़ाबाज़ार में महापौर कंचन जायसवाल ने अपने समस्त नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान करने के साथ वृहद रूप में साफ़ - सफाई अभियान कर स्वयं के हाथो बड़ा बाज़ार तालाब परिसर में सफाई चलाया साथ ही बड़ा बाज़ार के मुक्तिधाम परिसर में पौधारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर महापौर कंचन जायसवाल ने उपस्थित लोगो संबोधित करते हुए बताया कि इस पर्यावरण दिवस पर श्रमदान करते हुए एक ओर हम सफ़ाई कर रहे है, तो वही शहर को हरा भरा बनाये रखने की भी पूरी जिम्मेदारी भी हम सब की है। उन्होंने यह भी कहा की पर्यावरण सरंक्षण हेतु हमे शुद्ध पर्यावरण के लिए पेड़ की भूमिका सबसे अधिक है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य रूप से नगर निगम की सभापति गायत्री बिरहा, एमआईसी फिरोजा बेगम, सोहन खटीक, पार्षद प्रताप चौहान, कांग्रेस नेता साबिर खान, आयुक्त लवीना पाण्डेय, व नगर निगम स्वच्छता कर्मचारी सहित अन्य मौजूद रहे ।

भाजपा के 10 कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार को भाजपा के 10 कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। इन कार्यकर्ताओं को विधायक और बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी ने सदस्यता दिलाई। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी का गमछा और फूल माला पहनाकार स्वागत किया। यह सभी कार्यकर्ता नेलसनार क्षेत्र के केतुलनार ग्राम में भाजपा में थे। ब्लॉक मुख्यालय भैरमगढ़ में हुए कार्यक्रम में कांग्रेस में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं ने कहा कि, वे पार्टी की रीति-नीति, प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के कार्यों से प्रभावित होकर हाथ थाम रहे हैं। कांग्रेस में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं में उदय सिंह ठाकुर, प्रभुनाथ ठाकुर, सोनदेव यादव, रमेश कड़ती, जोगा कड़ती, अंकित कड़ती, लोचन कर्मा, बलराम नाग, सुकुराम हेमला और लक्षमण नाग शामिल हैं।

प्रतिज्ञा विकास संस्थान विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर निलंबित

कांकेर। प्रतिज्ञा विकास संस्थान विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर को कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर के विरुद्ध शिकायत मिलने पर संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम द्वारा गत दिवस उक्त संस्था का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाये गये प्रारंभिक तथ्य अनुसार शिकायत के सत्यता की पुष्टि होने पर कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने प्रतिज्ञा विकास संस्थान विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

रेत लेकर निकल रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा

कोरबा। नाला से रेत लेकर बाहर निकल रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पीछे लुढ़कने के बाद सामने का हिस्सा उपर उठ कर पलट गया। इससे इंजन व ट्राली के बीच दबने से मालिक समेत दो की मौत हो गई। सवार एक अन्य युवक ने कूद कर अपनी जान बचाई। घटना पाली थाना अंतर्गत करतली ग्राम पंचायत के झोरकी नाला में घटित हुई। बताया जा रहा है कि इस नाला से रोजाना कई ट्रैक्टर रेत यहां से निकल रही हैं। रविवार को ग्राम बांधाखार निवासी ट्रैक्टर मालिक व चालक रामकुमार 40 वर्षए ग्राम के निवासी टीकम श्रीवास 20 वर्ष व योगेश यादव 19 वर्ष के साथ रेत लेने के लिए झोरकी नाला गया था।

भूपेश ने गोधन योजना के हितग्राहियों के खाते में ट्रांसफर किए राशि

आगामी खरीफ सीजन में जैविक खाद और जैविक कीटनाशक का अधिक से अधिक करें उपयोग : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने किसानों से आगामी खरीफ सीजन में खेती-किसानी में जैविक खाद और जैविक कीटनाशक का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत गौठनों में जैविक खाद और जैविक कीटनाशक महिला समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। गौठनों में ये उत्पाद भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। इनके उपयोग से जमीन की उर्वरता बढ़ेगी और खेती की लागत भी कम होगी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को राशि के ऑनलाइन अंतरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस की प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले मानसून में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने गांव, गौठान, खेतों और जंगलों को खूब हरा-भरा बनाएं। मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ कमलप्रीत सिंह, नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजना के नोडल अधिकारी डॉ अयाज तंबोली, संचालक कृषि श्रीमती रानू साहू भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में गोधन योजना के हितग्राहियों के खाते में ऑनलाईन 21.31 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। इस राशि में 16 मई से 31 मई तक गौठानों में क्रय किए गए गोबर के एवज में ग्रामीण पशुपालकों 4.91 करोड़

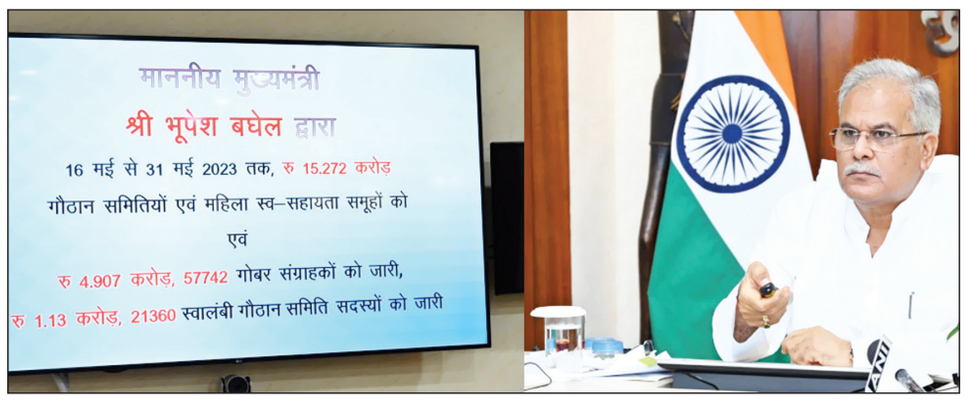

रूपए तथा गौठान समितियों को 8.98 करोड़ एवं स्व-सहायता समूहों को 6.29 करोड़ रूपए की लाभांश राशि तथा गौठान समितियों ने अध्यक्षों और सदस्यों के मानदेय की 1.13 करोड़ रुपए की राशि शामिल है।

गौरतलब है कि गोबर विक्रेताओं, गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को आज वितरित की गई राशि को मिलाकर अब तक हितग्राहियों को 538 करोड़ 89 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इसमें से योजना के प्रारंभ होने के बाद से अब तक गोबर विक्रेताओं को 237.28 करोड़ रूपए तथा स्व- सहायता समूहों एवं गौठान समितियों को 223.60 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वावलंबी गौठान समिति के अध्यक्षों और सदस्यों को मिलाकर समिति के कुल 21 हजार 360 सदस्यों की मानदेय की 1.13 करोड़ रुपए की राशि जारी की। स्वावलंबी गौठान समिति के अध्यक्ष को 750 रुपए और अशासकीय सदस्यों को 500 रुपए का मानदेय दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश में 10 हजार 409 गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है, इनमें से 98 प्रतिशत, 10 हजार 235 गौठानों का निर्माण पूरा हो गया है। 4 हजार 584 गौठान ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले 15 दिनों में 30 क्विंटल या उससे अधिक गोबर की खरीदी की है। इससे पूर्व के पखवाड़े की तुलना में इतनी अधिक मात्रा में गोबर खरीदने वाले गौठानों की संख्या में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पिछले वर्ष 16 से 31 मई 2022 की तुलना में इस वर्ष इसी अवधि में गोबर खरीदी में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश के 05 हजार 911 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं। इन गौठानों द्वारा अब तक गोबर खरीदी के एवज में कुल 53 करोड़ 80 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। आज गोबर खरीदी के एवज में जारी की गई 04 करोड़ 91 लाख रुपए की राशि में से 03 करोड़ 05 लाख रुपए का भुगतान स्वावलंबी गौठानों द्वारा तथा विभाग द्वारा 01 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में चल रही विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से 15 हजार 905 स्व सहायता समूहों की 01 लाख 89 हजार 614 सदस्यों को अब तक 144 करोड़ 22 लाख रुपए की आय हुई है। श्री बघेल ने इस योजना की सफलता के लिए योजना से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। हमारी गोधन न्याय योजना का एक उद्देश्य पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन करना भी है। राज्य सरकार द्वारा सुराजी गांव योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, वृक्ष संपदा योजना, कृष्ण कुंज योजना, नदी तट वृक्षारोपण, फलदार पौधा रोपण जैसी योजनाओं के माध्यम से अपने पर्यावरण को लगातर बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है।

मुआवजा देने के साथ रेल प्रबंधन ने मकान खाली करने का थमाया नोटिस

कोरबा। रेल कारिडोर से प्रभावितों को मुआवजा देने के साथ ही रेल प्रबंधन ने एक सप्ताह के भीतर घर खाली करने का नोटिस थमा दिया। इसके प्रभावितों के समक्ष विषम परिस्थिति निर्मित हो गई । बैठक कर प्रभावितों ने वर्षा काल तक रहने के लिए समय देने की मांग की है। कृष्णानगर के कुछ लोगों को उनके मकान और दूसरे परिसंपतियों का मुआवजा नही दिया गया था। इस पर ऊर्जाधानी भू.-विस्थापित किसान कल्याण समिति के बैनर तले लंबे संघर्ष करने के बाद रेल कारिडोर से प्रभावित कृष्णा नगर दीपका के 16 परिवारों की मुआवजा का भुगतान कटघोरा के अनुविभागीय अधिकारी के निर्देश पर रेल प्रशासन को आखिरकार करना पड़ा। मुआवजा राशि को बैंक खाते में जमा होने के बाद एक सप्ताह के भीतर रेलवे व प्रशासन ने मकानों को 15 दिनों में खाली करने के लिए नोटिस जारी कर दिया। इससे उनकी चिंता बढ़ गई, क्योंकि वर्षा शुरू होने वाली है। ऐसे स्थिति में उनके रहने का संकट सामने आ गया है। बस्तीवासियों ने बैठक कर निर्णय लिया कि कलेक्टर के जनचौपाल में पहुंचकर वर्षा ऋतु तक रह रहे मकानों को खाली नही करने के लिए जनचौपाल में गुहार लगाकर निवेदन करेंगे। बस्तीवासियों कहना है कि बैठक में तय किया गया कि मंगलवार कलेक्ट्रेट जनचौपाल में वर्षा ऋतु तक अपनी व्यवस्था करने का मोहलत देने की मांग की जाएगी।

दत्तक केंद्र में निर्दयता, महिला मैनेजर गिरफ्तार

■ **महिला एवं बाल विकास विभाग अफसर सस्पेंड, मासूम को जमीन पर पटका, मारे थे थप्पड़**

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर स्थित दत्तक केंद्र में मासूम बच्ची की पिटाई मामले में आरोपी प्रोग्राम मैनेजर सीमा द्विवेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसे लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई थी। वहीं लापरवाही बरतने पर तत्कालीन महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी चंद्र शेखर मिश्रा को संस्पेंड करने के साथ ही बाल संरक्षण अधिकारी रीना लारिया को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें एक दिन में इसका जवाब देना है। उन पर मारपीट मामले में साक्ष्य छिपाने का आरोप है।

वहीं दूसरी ओर इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग करेगा। इसके लिए आयोग की टीम आज ही केंद्र पहुंचेगी। साथ ही जांच टीम को मौके पर जाकर प्रतिवेदल देने के आदेश दिए गए हैं। आयोग की ओर से इस संबंध में मामला दर्ज कराने के लिए भी कहा गया है। आयोग के अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम ने सदस्य अगस्टीन बर्नाड को कांकेर में घटना

स्थल पर जाकर विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शाम तक जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

इससे पहले इस मामले की शिकायत महिला बाल विकास अधिकारी रहे सीएस मिश्रा तक भी पहुंची थी। आरोप है कि, अफसर ने 50 हजार लेकर मामला दबा दिया। कैमरे रात में बंद रहते हैं। दत्तक केंद्र में बच्चों की सुरक्षा के लिए बरामदे, गेट समेत अन्य जगह आठ सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। मैनेजर रोजाना रात कैमरे बंद कर देती है। वहीं कलेक्टर प्रियंका शुक्ला ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है। साथ ही जांच के आदेश दिए हैं।

दरअसल, शिवनगर स्थित दत्तक ग्रहण केंद्र में सीमा द्विवेदी एनजीओ के माध्यम से प्रोग्राम मैनेजर पदस्थ हैं। जहां का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वह बच्चों की बेदर्दी से पिटाई करती दिख रही है। सीमा ने एक बच्ची को पहले हाथ से मारा फिर बाल से पकड़ उठाकर जमीन पर पटक दिया। जमीन पर गिरी बच्ची को दोबारा फिर से खड़ा किया, एक बांह पकड़कर पलंग पर पटक दिया। बच्ची चीखती है, चिल्लाती है, रोने लगती है।

कांकेर के इस दत्तक ग्रहण केंद्र में 6 साल तक के यतीम बच्चों को रखा जाता है। प्रोग्राम मैनेजर का बॉयफ्रेंड है, जो अक्सर रात में संस्था में पहुंचता है। जबकि यहां बाहरी लोगों का आना प्रतिबंधित है। जब बॉयफ्रेंड से कभी विवाद हुआ तो बौखलाई मैनेजर इसका पूरा गुस्सा बच्चों पर उतारती है। यहां के बच्चे महीनों से प्रताड़ना सह रहे हैं। इसका विरोध करने वाले आठ कर्मचारियों को एक साल के अंदर केंद्र से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

ब्लैक लिस्टेड हो एनजीओ : अजय चंद्राकर

रायपुर। बीजेपी के पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांकेर के दत्तक केंद्र में प्रोग्राम मैनेजर की ओर से लड़की की बेरहमी से पीटाई मामले में छत्तीसगढ़ सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि वो एक सरकारी कर्मचारी नहीं है। वो एक एनजीओ की अधिकारी है। वह नौकरी के नाम पर मस्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं उस महिला के ऊपर पास्को एक्ट भी लगना चाहिए क्योंकि उसका बॉयफ्रेंड भी वहां आता रहता था। इसके साथ ही एनजीओ को ब्लैक लिस्टेड किया जाना चाहिए। राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वह आश्रय गृह नहीं है बल्कि बच्चों का प्रताड़ना गृह है। विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि यह पूरे प्रदेश में हो रहा है। यह तो केवल एक जगह का सैंपल मात्र है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि घटना, समाचार में देखकर दुख हुआ है। बच्चों के साथ मारपीट की घटना बेहत निंदनीय है। कलेक्टर को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

रामगढ़ विश्व की महत्वपूर्ण धरोहर, राम वनगमन पर्यटन परिपथ देखने पूरी दुनिया आएगी छत्तीसगढ़: भगत

■ **महाकवि कालिदास की रचना स्थली के विशेष संदर्भ में रामगढ़ का महत्व विषय पर शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन**

सरगुजा। सरगुजा जिले के ऐतिहासिक रामगढ़ की पहचान अनेक रूपों में की जाती है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में शामिल रामगढ़ में विश्व की प्राचीन नाट्यशाला है। यहां रामगढ़ की पहाडियां महाकवि कालिदास के खंडकाव्य मेघदूत की प्रेरणा हैं। इस प्राचीन स्थल के महत्व को उल्लेखित करने और सुरम्यता का आनंद लेने यहां रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता हैं। आषाढ़स्य प्रथमदिवसे यानी आषाढ़ माह के प्रथम दिवस प्रतिवर्ष रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता है। इसी कड़ी में खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य में 4 जून रविवार को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छ.ग. मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम द्वारा की गई।

इस अवसर पर मंत्री श्री भगत ने कहा कि भगवान श्री राम के वनवास के दौरान उनके श्री चरण हमारे छत्तीसगढ़ में पड़े। हमारा सौभाग्य है कि यह भगवान श्री राम का ननिहाल भी है। माता कौशल्या का मायका है। चंदखुरी में उनका मंदिर बनाया गया है। मैं यहां की भूमि को प्रणाम करता हूं। रामगढ़ का महत्व धार्मिक ही नहीं, विश्व की महत्वपूर्ण धरोहर के रूप में भी है। यहां सीताबेंगरा और जोगीमारा की गुफाओं के साथ

विश्व की प्राचीन नाट्यशाला भी है। यह महाकवि कालीदास की अद्भुत रचना मेघदूत की यह रचना स्थली है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पुरानी धरोहर को संरक्षित कर स्थापित करने का काम किया जा रहा है। राम वनगमन पर्यटन पथ के विकसित होने के बाद पूरी दुनिया छत्तीसगढ़ को देखने आएगी। उन्होंने रामायण के प्रसंगों का उल्लेख किया। नदी पार करते हुए भगवान राम से केंवट राजा की भेंट और भगवान श्रीराम का छोटे भाई भरत के प्रति प्रेम का उल्लेख किया। भगवान श्री राम ने वनवास के दौरान जिस मार्ग से छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया और समय बिताया, वह सीतामढ़ी हरचौका से शुरू होता है और सुकमा तक जाता है। भगवान राम के कदम जहां जहां पड़े, उसे पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीजीएमएससी अध्यक्ष एवं विधायक डॉ प्रीतम राम ने दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राम वनगमन पर्यटन पथ में शामिल रामगढ़ में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। जिससे इसकी सुंदरता देखने आने वाले पर्यटकों को अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

कांग्रेस ने अपने जन-घोषणा पत्र के एक भी वादा को नहीं किया पूरा: सांसद साव

कोरबा। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी अब इलेक्शन मोड में नजर आने लगी है। वह जोर शोर से चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद अरुण साव ने रविवार को कोरबा में इसकी पुष्टि की। उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का भी दावा किया। वे रविवार को एक दिवसीय कोरबा प्रवास पर रहे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने यहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में जब से कांग्रेस की सरकार बनी है सभी विकास कार्य ठप्प पड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में केवल केंद्र सरकार की योजनाओं पर ही काम हो रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर बड़ा हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र के एक भी वादा

को पूरा नहीं किया है। उसने सभी वर्गों को केवल ठगने का काम किया है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार और पार्टी नेताओं द्वारा स्वयं को भगवान राम से जोड़कर किए जा रहे हैं प्रचार प्रसार के सवाल पर उन्होंने कहा कि भगवान राम सबके हैं। अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ सभी को भगवान राम की पूजा आराधना करने का अधिकार है। लेकिन कांग्रेस के परिप्रेक्ष्य में यह भी देखा जाना चाहिए कि पूर्व में उनका आचरण कैसा था। कांग्रेस ने रामसेतु के मामले में भगवान राम को काल्पनिक बताया था। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण का विरोध किया था। लेकिन चुनाव आने पर मंदिर पहुंचकर जनेऊ भी धारण किया गया।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि गंगाजल हाथ में लेकर शराबबंदी का वादा करने वाली सरकार अपने वादे से मुकर गई है और उसने शराब घोटाला कर दिया है। प्रदेश में 2000 करोड़ रुपिया का शराब घोटाला किया गया है। अरुण साव ने कहा कि भाजपा का मतदान केंद्र स्तर तक मजबूत संगठन है। पार्टी छत्तीसगढ़ में मजबूत है और पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता पूरी ताकत से चुनाव की तैयारी में जुटा हुआ है।

समाज की सक्रियता से हो सकता है सभी समस्याओं का समाधान: प्रेमशंकर

■ **छत्तीसगढ़ प्रांत का 20 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग, प्रथम वर्ष (सामान्य)2023 हुआ संपन्न**

भिलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत का 20 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग, प्रथम वर्ष (सामान्य)टु 2023 का प्रशिक्षण वर्ग भिलाई-4 के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित था, जिसका शनिवार को समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस समापन समारोह में मंच पर मुख्य अतिथि प्रगतिशील सतनामी समाज के श्री विनोद भारती, छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत संघचालक डॉ.पूर्णेंदु सक्सेना, वर्गाधिकारी श्री भागीरथी विश्वकर्मा, भिलाई नगर संघचालक श्री रामजी साहू तथा मुख्य वक्ता के रूप में संघ के छत्तीसगढ़ प्रांत प्रचारक श्री प्रेमशंकर थे।

मंचासीन मुख्य अतिथि श्री विनोद भारती ने कहा कि 20 दिन तक जो संघ का प्रशिक्षण प्राप्त किया है वह आपके अपने जीवन में और समाज, देश के लिए उपयोगी होगा। संघ जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर सबको समान रूप से देखता है और स्वयंसेवकों के व्यवहार में समरसता दिखती है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा

कि गुरु घासीदास, संत कबीर के बताये हुए मार्ग को आज संघ के स्वयंसेवक अपने जीवन में आत्मसात किये हुए है। उन्होंने बाबासाहब आम्बेडकर को याद करते हुए समरस समाज के निर्माण में संघ की भूमिका को सराहा।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता श्री प्रेमशंकर जी ने उद्बोधन के प्रारंभ में ओड़िशा हुए भीषण रेल दुर्घटना में हुए दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी और घायलों को शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। उन्होंने कहा कि आज देश का अमृतकाल प्रारंभ हुआ है। भारत की स्वतंत्रता में अपना जीवन समर्पित करने वाले सभी वीरों को स्मरण करते हुए कहा कि 1857 से लेकर 1947 तक लंबा स्वतंत्रता समर चला। छत्तीसगढ़ के महापुरुष वीर गुण्डाधुर, वीर नारायण सिंह सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान दिया। उनके प्राणों की आहुति से ही हमें स्वाधीनता मिली है, यह हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए। भारत देश के बारे में कुछ भ्रम फैलाया जा रहा है जैसे भारत की खोज वास्को डी गामा ने की। जबकि भारत तो विश्व गुरु रहा है। यह तो भगवान राम के समय की बातें हम सभी को मालूम है। स्वामी विवेकानंद जी ने विश्व बंधुत्व का संदेश पूरी दुनिया को दिया। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी ने देश के स्वाभिमान को जगाया। आज भारत के विचार एकम सत्य विप्र बहुधा वदन्ति और सर्वे भवन्तु सुखिन: को दुनिया स्वीकार कर रही है। सनातन संस्कृति व श्रेष्ठ भारत के मूल समाज को संगठित करने का काम संघ 1925 से कर रहा है। भारत में हम सबके पूर्वज एक है। देश के सभी नागरिक के मन में राष्ट्रभक्ति के भाव जागरण में संघ सतत लगा है। समाज में अनुशासन का भाव हो, इसके लिए हम सभी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। यह जो आज दिख रहा है वह अंग्रेजों ने व्यवस्था दी थी कि, सब काम सरकार करेगी। ऐसा पहले नहीं था। जहां जहां आवश्यक है वह सब काम समाज स्वाभाविक रूप से करता था। आज परिवार व्यवस्था सुदृढ़ बने, समाज में समरसता का भाव बढ़े, समाज में विद्वेष का भाव समाप्त हो। पर्यावरण संरक्षण आज की नितांत आवश्यकता है। हमने प्रकृति को विज्ञान -धर्म के साथ जोड़ा है, उससे पर्यावरण की सुरक्षा होगी। आज स्वदेशी का भाव सुदृढ़ होना आवश्यक है। सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि समाज के लिए, देश के लिए अधिकाधिक समय दे जिससे भारत विश्व गुरु के स्थान को शीघ्र प्राप्त हो सके।

इस प्रशिक्षण वर्ग में छत्तीसगढ़ प्रांत के सभी जिलों के 285 स्थानों से 412 प्रशिक्षार्थी स्वयंसेवक सम्मिलित हुए, जिसमें महाविद्यालयीन छात्र, शालेय विद्यार्थी, कृषक , व्यवसायी, कर्मचारी थे। सभी शिक्षार्थी स्वयं का वर्गशुल्क, अपना गणवेश, आने-जाने का यात्रा व्यय स्वयं वहन कर संघ शिक्षा वर्ग में सम्मिलित हुए। यहाँ की दिनचर्या प्रात: 4 बजे से रात्रि 10 बजे दीप निर्वाण तक विभिन्न बौध्दिक कार्यक्रमों तथा शारीरिक कार्यक्रमों में दंड संचालन, नि:युद्ध (कराटे), पदविन्यास, दंड युद्ध आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

एक हफ्ते में दूसरी बार मना भाजपा बड़ा प्रवेश उत्सव, 421 प्रमुख जनों ने किया भाजपा प्रवेश

कांग्रेस के विदा होने का मुहूर्त आ गया हैः साव

■ आदिवासी समाज के दिग्गज हुए भाजपा में शामिल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर सोमवार को विभिन्न क्षेत्रों के 421 विशिष्ट लोगों ने पार्टी प्रवेश किया। वैश्य समाज के 44 लोगों ने भाजपा प्रवेश किया। आदिवासी व अन्य समाज के 377 लोगों ने भाजपा को अपनाया। इनमें आदिवासी समाज में पकड़ रखने वाले राजनीतिक, सामाजिक संगठनों की दमदार हस्तियां भी शामिल हैं। गोंडवाना गोंड महासभा छत्तीसगढ़ के प्रदेश संगठन मंत्री विकेश कुमार हिचामी, गोंडवाना समाज युवा प्रभाव बस्तर संभाग के संरक्षक भूपेंद्र दर्रो, गोंडवाना समाज कांकेर क्षेत्रीय अध्यक्ष विष्णु कावड़े, गोंडवाना समाज कांकेर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मण्डावी, सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग कांकेर ब्लॉक उपाध्यक्ष चंद्रशेखर मण्डावी, गोंडवाना समाज धनेलीकन्हार क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र मरकाम, सेवानिवृत्त एसडीएम पृथ्वीराज निर्मल भी शामिल हैं। वैश्य समाज की समाजसेवी छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष कान्यकुब्ज वैश्य राष्ट्रीय महासभा वैवाहिक कार्यक्रम अध्यक्ष बरखा सूरज गुप्ता व उनके साथी व छत्तीसगढ़ प्रदेश संगठन मंत्री मनोज गुप्ता भी शामिल हैं।बीते गुरुवार को छत्तीसगढ़ की जानी-मानी हस्तियों ने करीब साढ़े चार सौ साथियों-प्रशंसकों के साथ भाजपा प्रवेश किया था। भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में हुए भव्य समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, सांसद सुनील सोनी, पूर्व मंत्री प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा,वरिष्ठ

नेता महावीर राठौर, कांकेर जिला प्रभारी यशवंत जैन ,महिला मोर्चा अध्यक्ष शालिनी राजपूत सहित वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने इस अवसर पर भाजपा की सदस्यता लेने वाले सभी गणमान्य लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में परिवर्तन का स्पष्ट संकेत मिल गया है। प्रदेश में कांग्रेस और उसकी सरकार की विदाई का मुहूर्त निकल गया है। जनता कांग्रेसी कुशासन और भ्रष्टाचार से पूरी तरह त्रस्त है और भाजपा पर भरोसा कर रही है।

श्री साव ने कहा कि प्रदेश का जनमानस कांग्रेस से हताश, निराश और परेशान है। भाजपा की रीति-नीति, कार्यक्रमों और विचारधारा से प्रभावित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों व सुशासन ने गहराई से विश्वास कायम किया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने वादाखिलाफी, घोटाले और भयंकर भ्रष्टाचार करके जनता को निराश किया है। प्रदेश में असुरक्षा और अविश्वास का माहौल है। अब कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने नव प्रवेशी भाजपा सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि आज भाजपा के लिए ऐतिहासिक दिन है। गोंडवाना समाज के प्रमुख लोग भाजपा में आए हैं। आज आप उस पार्टी के सदस्य बने हैं, जिसके 18 करोड़ सदस्य हैं। आज आप उस पार्टी के सदस्य बने हैं, जिसके महान नेता अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश को बनाया।बस्तर में परिवर्तन का नेतृत्व करने वाले आप सब मेरे सामने बैठे हैं। भाजपा ने बस्तर से अंधेरा दूर करने का काम किया है।तेंदूपता के लिए नीति बनाने का काम, सड़क बनाने का काम, बस्तर को एजुकेशन हब बनाने का काम भाजपा ने किया। भूपेश बघेल की सरकार ने बस्तर का केवल शोषण किया है। कांग्रेस सरकार केवल घोटाले कर रही है।मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 2023 के चुनाव के पहले 2003 के चुनाव के पहले जैसा वातावरण बन गया है।

बस्तर में परिवर्तन का नेतृत्व आप सब करेंगेः डॉ. रमन

पौध रोपण कर मनाया पर्यावरण दिवस

रायपुर। एडवरटाइजिंग एजेंसी एससोसिएसन ऑफ छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण किया गया, जिसमे एससोसिएसन के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह,संरक्षक अजय जैन, महासचिव अफसर खान,विजय घोष, वीरेंद्र शुक्ला उपस्थित थे।

रायपुर नगर निगम ने शुरू किया 'ट्रिपल आर. बेस्ट ऑफ द वेस्ट'

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर रायपुर नगर निगम द्वारा अनुपयोगी सामग्रियों से उत्कृष्ट कलाकृति तैयार करने वाले शहर के कलाकारों को प्रेरित करने 'ट्रिपल आर. बेस्ट ऑफ द वेस्ट कैंपेन शुरू किया गया है। इसके तहत आम नागरिकों से 15 जून तक ऐसी कलाकृति तैयार कर इसके छायाचित्र व शॉर्ट वीडियो रायपुर नगर निगम को भेजने का अनुरोध किया गया है। चयनित उत्कृष्ट कलाकृतियों व संरचनाओं को नगर निगम अपने उद्यान व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित कर इन कलाकारों को सम्मानित करेगा।

रायपुर ननि द्वारा शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने अपने प्रयासों में जन सहभागिता को बढ़ावा दे रहा है। इस हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है, जिसमें नागरिकों की भागीदारी होगी एवं शहर विकास में उत्तरदायित्व के साथ सभी आयु वर्ग अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। पूर्व में कचरा महोत्सव, रोको-टोको, ट्रिपल आर. सेंटर, नो प्लास्टिक कैंपेन जैसे कार्यक्रमों में स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व आम नागरिकों ने सकारात्मक भूमिका निभाई हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू किए गए इस अभिनव कार्यक्रम में नगर के सभी आयु वर्ग के लोग सम्मिलित होंगे। इसके तहत अनुपयोगी सामग्री जो आमतौर पर कबाड़ी या कचरा संग्राहकों को दे दी जाती है, इन सामानों को घर बैठे कलात्मक स्वरूप देकर इसकी उपयोगिता बढ़ाने वाले कलाकारों को प्रोत्साहित करने का कार्य पहली बार नगर निगम रायपुर कर रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आम नागरिकों से यह अपील की गई है कि अनुपयुक्त पड़े सामानों को कलाकृति का स्वरूप देकर इसकी जानकारी 15 जून तक नगर निगम की स्वच्छता टीम या जोन कार्यालय को दें। इसके उपरांत इन कलाकृतियों का परीक्षण कर चयनित सामग्रियों को उद्यान, तालाब या अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर लगाए जाएंगे एवं शहरी स्वच्छता में अपनी सहभागिता देने वाले ऐसे कलाकारों को सम्मानित भी किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति नगर निगम के वेबसाइट http://nagarnigamprojects.in/survey/rrrinstalletion.php पर स्वयं व कलाकृति से संबंधित समस्त जानकारी छायाचित्र व शॉर्ट वीडियो के साथ 15 जून तक अनिवार्यतः प्रेषित करें।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

ऐसे हैं पशुपालन मंत्री!

यह अजब क़िस्म की उलटबासी का भयावह ही फुल बेशर्मी के साथ बयान दे रहा है कि गाय भी काटी जानी चाहिए!हद है। कर्नाटक सरकार के पशुपालन मंत्री टी व्यंकटेश ने पिछले दिनों कहा कि जब बैल, भैंस काटे जा सकते हैं तो गाय क्यों नहीं काटी जा सकती? इसलिए अब ये महोदय पिछली भाजपा सरकार के समय बनाए गए पशुवध रोकथाम और पशु संरक्षण कानून को बदलने वाली है। ये फरमाते हैं कि गौशाला के लिए राज्य के पास धन की कमी है। कोई बड़ी बात नहीं है कि अब कांग्रेस की सरकार आई है, तो गौ वध की छूट मिल भी जाए। पिछली सरकार ने गो हत्या को सख्ती के साथ रोका था, अधिनियम बना कर। आश्चर्य होता है कि कभी गौवंश की पूँछ पकड़कर राजनीति की नैया पार करने वाली कांग्रेस गाय को लेकर गंभीर क्योंनहीं रही। एक दौर था, जब कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी और फिर गाय कर साथ दूध पीता बछड़ा हुआ करता था। उसी कांग्रेस ने 7 नवम्बर,1966 को दिल्ली में गौ प्रेमियों पर निर्ममतापूर्वक गोलियां दागी थीं, जिसमें अनेक गोभक्तों और संतो की मौत हो गई थी। देशभर के हजारों गौ भक्त दिल्ली में एकत्र हुए थे और गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर जुलूस निकाल रहे थे। उन निहत्थे गौ भक्तों को शहीद कर दिया गया था। यह तो चरित्र रहा है। अब अगर कर्नाटक का पशुपालन मंत्री गो हत्या की छूट देने की बात कर रहा है,तो कोई बड़ी बात नहीं कि बहुत जल्दी ऐसा अधिनियम बन भी जाए। यह कितनी गजब बात है कि पशुपालन मंत्री पशुओं के संरक्षण की बात नहीं कर रहा और उनकी हत्या को जायज ठहरा रहा है। कायदे की बात तो यह है कि न तो बैल कटने चहिए, न भैंसें कटनी चाहिए। किसी भी जीव की हत्या नहीं होनी चाहिए। आज देश के अनेक राज्यों में कसाईखाने आबाद हैं, जहां गाय बैल, भैंस सब कट रहे हैं । गायों को बीमार बताकर उनकी हत्या की जा रही हैं। मैं यह सुनकर, पढ़कर चकित और व्यथित हो जाता हूँ कि भारत देश गौ मांस के निर्यात के मामले में काफी आगे है। यह दुख की बात है। शर्म की भी। वह भी भाजपा के शासन काल में!! यह दो साल पहले का आंकड़ा है कि अपना देश साढ़े बयालीस लाख मीट्रिक टन (बीफ) मांस निर्यात करके विश्व का पांचवे नम्बर का देश बन चुका था। अब तो आंकड़ा और बढ़ गया होगा। गाय गंगा की पूजा करने वाली सरकार को बीफ निर्यात पर रोक लगानी चाहिए। भले ही उसे खरबों का नुकसान हो जाए। उस नुकसान की भरपाई टैक्स लगा कर की जा सकती है। लेकिन शायद ही ऐसा हो। सत्ता का चरित्र अजब किस्म का होता है। शराब की बुराई करने वाली सरकार की नाक के नीचे जम कर बिकती है शराब। ऐसे पाखंडी समय में हम केवल भड़ास निकाल सकते हैं। हाय हाय कर सकते हैं पर गाय को, गौ वंश को बचा नहीं सकते। किसी भी समाज के चरित्र को समझने के लिए यह देखना पर्याप्त होता है कि वह अपने पशुओं के साथ कैसा बर्ताव करता है। कुछ कहने की आवश्यकता नहीं कि आज पशुओं के साथ किस तरह की क्रूरताएँ हो रही हैं। अब तो हमारी मानसिकता इस स्तर पर पतित हो चुकी है कि अगर कोई मनुष्य गम्भीर रूप से बीमार है तो क्यों न उसे इंजेक्शन देकर मार दिया जाए। मनुष्य की सम्वेदना धीरे धीरे मरती चली जा रही है। आए दिन हम खबरें पढ़ते रहते है। यह कि नवजात का शव मिला।...एक मां ने अपनी बच्ची को नाले में फेंक कर मार डाला।... बेटे ने बाप की हत्या कर दी। .. पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति की हत्या कर दी।..या पति ने पत्नी के टुकड़े टुकड़े कर दिए।..आदि-आदि। पता नहीं अभी और कितना विनाश देखेंगे हम लोग!

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

अजय चंद्राकर का कांग्रेस प्रभारी पर वार, छत्तीसगढ़ को हरियाणा बनाना चाहती हैं

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने कांग्रेस और प्रभारी महासचिव कुमारी सैलजा पर बड़ा हमला बोला है. चंद्राकर ने कहा कि कुमारी सैलजा छत्तीसगढ़ को हरियाणा जैसा बनाना चाहती हैं. सीएम भूपेश बघेल को

हराना उनका लक्ष्य है.मीडिया से बातचीत में चंद्राकर ने कहा, भाजपा का एक महीने का जनसंपर्क अभियान शुरू हो चुका है. इसके तहत बहुत लोग आएंगे. केंद्रीय गृह मंत्री भी आ रहे हैं. उसमें आपत्ति ले रहे हैं तो तरस आता है. लोकतांत्रिक गतिविधियों को वे पसंद नहीं करते. छत्तीसगढ़ गांधी परिवार का अभयारण्य है. वही आ सकते हैं क्या? बाकी के लिए मुफीद नहीं है. यह जगह सुरक्षित नहीं है. छत्तीसगढ़ एक परिवार का अभयारण्य नहीं है. देश का एक राज्य है. अटल बिहारी वाजपेयी जी का बनाया राज्य है. ये तो दुर्घटना के मुख्यमंत्री है।कांग्रेस प्रभारी के दौरे पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, सैलजा जी कुछ नहीं कर सकती हैं. उनका लक्ष्य है, छत्तीसगढ़ को हरियाणा जैसे बनाना. जैसी स्थिति कांग्रेस की और उनकी खुद की हरियाणा में है, वही स्थिति यहां कांग्रेस की और भूपेश बघेल जी की हो जाए, उनका लक्ष्य है। अलग अलग वर्ग के लोगों के भाजपा प्रवेश पर उन्होंने कहा कि समाज के प्रतिष्ठित लोग आते हैं।

भाजपा के वसूलीबाज नेता कांग्रेस नेताओं का चरित्र हनन करने का षड्यंत्र रच रहेः ठाकुर

रायपुर। बलरामपुर जिला में भाजपा नेता के द्वारा कांग्रेस नेताओं के नाम का दुरुपयोग कर रेंजर के साथ की गई बदसुलूकी और मारपीट मामले की निंदा

करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के संरक्षण में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता अवैध उगाही कर रहे हैं, गुंडागर्दी कर रहे है, अधिकारी कर्मचारियों को डरा धमका रहे मारपीट कर रहे हैं और अपने दूषित कृत्य के लिए कांग्रेस नेताओं का नाम का उपयोग कर कांग्रेस नेताओं का चरित्र हनन करने का षड्यंत्र रच रहे। 15 साल के रमन भाजपा कार्यकाल के दौरान भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेताओं को मूल काम कमीशनखोरी करना, भ्रष्टाचार करना, अवैध वसूली करना था, सत्ता जाने के बाद भी भाजपा नेताओं की यह आदत गयी नहीं है। भाजपा के संगठन में इस प्रकार की हरकतों की ट्रेनिंग दी जाती है, अरुण साव बताये कि ऐसे कितने भाजपा के पदाधिकारियों को अवैध वसूली के काम में लगा कर रखे है। पूर्व में भी भाजपा के कई नेताओं की आम जनता से ठगी और अवैध वसूली के काले कारनामे के मामले में गिरफ्तारी हुई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रदेश में कांग्रेस से सीधा राजनीतिक मुकाबला नहीं कर पा रही है जनता का समर्थन खो चुकी है।

मोदी सरकार का झूठा यशोगान महंगाईः मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा मोदी सरकार की 9 साल की उपलब्धि बताने में असफल साबित हुई है और हमेशा की तरह झूठ और प्रोपोगंडा करके मोदी

सरकार की नाकामी पर पर्दा करने में लगी हुई है भाजपा नेताओं को बताना चाहिए 2014 में जो जनता से वादा किया गया था उसमें कितने वादों को मोदी सरकार ने पूरा किया है?गरीब जनता के खाते में 15 -15 लाख रुपए कब आयेंगे? जनता की सच्चे दिन खत्म हो गई लेकिन अच्छे दिन नही आई। 30 रु. 35 रु. लीटर में पेट्रोल और डीजल देने का वादा था लेकिन मोदी सरकार पेट्रोल डीजल में 30 से 35 रु. लीटर पीछे मुनाफा कमा रही है। दो करोड रोजगार प्रतिवर्ष देने के वादे पर मोदी सरकार खरा नहीं उतर पाई है देश की जनता के ऊपर टैक्स लगाकर महंगाई का बोझ बढ़ाने का काम की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि इन 9 साल में आम जनता की आर्थिक स्थिति खराब हुई है रोजगार के गंभीर संकट से देश जूझ रहे हैं बेरोजगारी के मामले में देश 45 साल पुराने स्थिति में खड़ी हुई है पुस्तक, कॉपी, शीश, पेंसिल, स्टेशनरी, दूध, दही, जूता-चपल, कृषि यंत्र, रसायनिक खाद पर जीएसटी वसूली जा रही है। किसान डीजल पेट्रोल की महंगाई से परेशान हैं। कृषि यंत्रों के दाम में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

आजादी की लड़ाई में कौन कांग्रेसी शहीद हुआ : बृजमोहन

रायपुर। प्रदेश की कांग्रेस सरकार के कैबिनेट मंत्री शिव डहरिया द्वारा आरएसएस पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बृजमोहन ने कहा की

आरएसएस देश की ताकत है, देशभक्ति की पाठशाला है। ऐसे सामाजिक संगठन पर अशोभनीय टिप्पणी करना देशभक्तों का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस से ही सवाल पूछा कि आजादी की लड़ाई के ढाई सौ सालों के इतिहास में एक भी कांग्रेसी अगर शहीद हुआ, अपनी जान दी हुई तो हमें बताएं? ये कांग्रेसी मुखबिरी की बात करते हैं तो यह जान ले सारे देश को पता है कि महान देशभक्त क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की मुखबिरी कर हत्या किसने करवाई है। कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत देते हुए कहा कि इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं ने महात्मा गांधी के साथ कैसा व्यवहार किया। सुभाष चंद्र बोस के साथ कांग्रेस ने क्या किया। अगर पन्ने पलटने शुरू कर दें तो कांग्रेस के लोग मुंह दिखाने के लायक भी नहीं रहेंगे।महात्मा गांधी और सरदार पटेल भी संघ की देशभक्ति से प्रभावित थे और संघ की शाखाओं में भी गए थे। जब भारत पाकिस्तान का विभाजन हुआ,भारत चीन युद्ध,भारत पाक युद्ध हुआ उस दौर में भी संघ भारत के लोगों की सेवा के लिए,सैनिकों की मदद के लिए खड़ा रहा। आज भी देश पर कोई संकट आता है तो सबसे पहले आरएसएस के स्वयंसेवक मोर्चे पर खड़े दिखाई पड़ते हैं।

पर्यावरण प्रदूषण से फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता पर कुप्रभावः डॉ. चंदेल

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''जलवायु परिवर्तन का कृषि तथा जीवनशैली पर प्रभाव'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि मौसम वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ तथा प्रगतिशील कृषक शामिल हुए। कार्यशाला का शुभारंभ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे क्लाइमेट चेंज के कारण कृषि परिदृष्य, खेती के तौर-तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है। डॉ. चंदेल ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग, परिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक पचास वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरूआत की गई। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पर्यावरण दिवस की थीम ''बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन'' रखी गई है, जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, जो पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है।

मंत्री डहरिया के बयान पर भाजपा का पलटवार

■ अंग्रेजों के दलाल उनके पुरखे थे, जिनकी चाटुकारिता में छत्तीसगढ़ को लूट लूटकर दक्षिणा भेजी जा रही है

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने आरंग में राजीव भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में मंत्री शिव डहरिया के बयान को घोर आपत्तिजनक करार देते हुए कहा है कि वे जो वैचारिक जहर उगल रहे हैं, वह उनके नेता के यहां से शर्बत में मिलाकर पीकर आये हैं। दरअसल अंग्रेजों के चाटुकार आरएसएस के लोग नहीं बल्कि अंग्रेजों के दलाल उनके पुरखे थे, जिनकी चाटुकारिता में छत्तीसगढ़ को लूट लूटकर दक्षिणा भेजी जा रही है। अंग्रेजों के गुलाम वे थे, जिन्होंने क्रांतिकारियों की पैरवी नहीं की और

विदाई की बेला देख कर बौरा गई है पूरी कांग्रेस

देशभक्तों को फांसी पर चढ़वा दिया। जिस पार्टी का जन्मदाता ही अंग्रेज हो, वह किस हैसियत से अंग्रेजों से लड़ सकती है। डहरिया न तो आजादी का इतिहास जानते हैं और न ही आजादी की वह कीमत उन्हें पता है जो आजादी के परवानों ने चुकाई है। डहरिया अपने सूबेदार के साथ जिस खानदान की चाटुकारिता में समर्पित हैं, उसका इतिहास यह है कि राष्ट्र का भूगोल बिगड़ गया। यदि अंग्रेजों के ये चापलूस उस समय अपने गोरे मालिकों के साथ मिलकर साजिश न करते तो भारत के टुकड़े न होते। कांग्रेस का काला अतीत रहा है इसलिए वह देश भर में कालातीत हो गई। आज भी भारत विरोधी अभियान में शामिल होकर टुकड़े टुकड़े गैंग के साथ खड़ी है। अंग्रेजों के हिमायती आजकल चीन से चंदे की चिन्दी बटोर रहे हैं। अमरीका में जाकर मुस्लिम लीग को सेक्युलर बता रहे हैं, जो पाकिस्तान दुनिया भर से भीख मांग रहा है, उससे मदद की भिक्षा ये मांग रहे हैं। खुले तौर पर देशद्रोह किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण में धर्मांतरण का तड़का लगाने वाले कालनेमि के जैसा आचरण कर रहे हैं और भाजपा की केंद्र सरकार को कालनेमि ठहरा रहे हैं, ये बड़े विचित्र हैं। अपने इतिहास और वर्तमान पाप की गठरी भाजपा के सिर पर रखना चाहते हैं लेकिन जनता इनकी असलियत से परिचित है।

कांग्रेस ने गांधी जी को जीते जी मार डाला। बापू चाहते थे कि आजादी के बाद कांग्रेस नाम की वह संस्था समाप्त कर दी जाए, जो केवल आजादी के आंदोलन का एक मंच थी और जिसमें सभी देशवासियों के सहयोग था।लेकिन कांग्रेसी जिस खानदान के बंधुआ बने हुए हैं, उसके पूर्वज ने राजनीतिक मुनाफे और पुश्तान पुश्त तक राज करने के इरादे से गांधी के विचार को खारिज कर दिया। कांग्रेस ने गांधी जी के नाम को राजनीतिक ट्रेडमार्क बनाया लेकिन उनके सिद्धांतों की हत्या कर दी। जबकि भाजपा ने गांधी जी के दर्शन के आधार पर देश और देश की जनता के लिए काम किया है। गरीबों का भला किया है। छत्तीसगढ़ में सत्ता में बैठे राशनखोर तो गरीब की छत से लेकर निवाला तक हड़प गए। दरअसल कांग्रेस की विदाई का समय आ गया है। सारे भ्रष्टाचारी सही ठिकाने पर पहुंच गए हैं तो कांग्रेसियों का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। अगर कांग्रेस की स्थापना नहीं हुई होती तो भारत को आजादी काफी पहले मिल गई होती। 1947 में मिली आज़ादी को इंदिरा गांधी ने खत्म कर दिया था। आज की आजादी राष्ट्रवादियों द्वारा 1975 से लेकर 77 तक के संघर्ष का परिणाम है।यह कांग्रेस से लड़ कर पायी हुई आजादी है। डॉ. बांधी ने कहा कि नेहरू क्या थे, किसकी मुखबिरी करते थे, चंद्रशेखर आजाद की मुखबिरी किसने की।

मासूम बच्ची की बेरहमी से पिटाई जस्टिस भादुड़ी ने संज्ञान में लिया

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल कांकेर जिले में दत्तक ग्रहण केंद्र में एक मासूम की बेरहमी से पिटाई की वीडियो वायरल होने पर हाईकोर्ट के जस्टिस व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालन अध्यक्ष जस्टिस गौतम भादुड़ी ने संज्ञान में लिया है. उन्होंने कांकेर के जिला न्यायाधीश से तत्काल रिपोर्ट मांगी है. साथ ही, सभी जिलों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिवों को अपने-अपने जिलों के बाल गृह और बच्चों के आश्रमों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे ऐसी घटनाओं पर निगरानी की जा सके।

कांकेर के दत्तक ग्रहण केंद्र की मैनेजर जिस तरह एक मासूम बच्ची की बेरहमी से पिटाई कर रही थी, उसका वीडियो देखकर लोगों का दिल दहल गया. मीडिया में खबरें आने के बाद जिला प्रशासन एक्शन मोड में आया. कांकेर की घटना को लेकर बड़ा अपडेट यह है कि जस्टिस गौतम भादुड़ी ने इस मामले को संज्ञान में लिया है. उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव के माध्यम से कांकेर के जिला न्यायाधीश और अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश जारी किए हैं कि वे घटना के संबंध में तत्काल कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

यदि कोई एफआईआर होती है तो बच्चे को पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत निशुल्क विधिक सहायता व सलाह के माध्यम से क्षतिपूर्ति राशि भी उपलब्ध कराई जाए. जस्टिस भादुड़ी ने इस घटना को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों के जिला न्यायाधीशों/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भी निर्देश दिए हैं कि वे नालसा, बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाओं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 के तहत उनके जिले के अंतर्गत आने वाले समस्त बाल गृह, दत्तक ग्रहण गृह आदि बच्चों के आश्रमों का निरीक्षण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया जाए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.